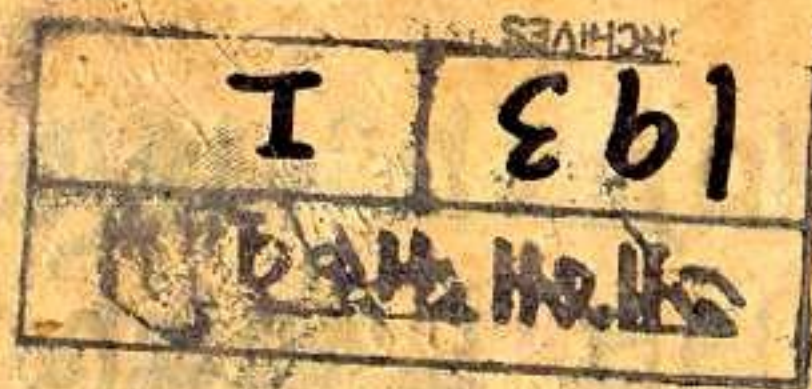




ॐ नमो ४७ शुभ्रवज्रसत्ताय ॥

॥ ॐ नम ४७ ॐ माद्यपाभला

कमजाय ॥

॥ ॐ नमो ४७ वल्लभयाय नमः ॥

ॐ नमो ७१ ॐ माद्यपा

भवजाकिरणजा ॥ वाचिसत्ताय महासत्ताय ॥ महाकायनीकाय ॥ गद्य

धाम ॥ ॐ मलिपुत्र ई ॥

॥ ॐ नमो ४७ मदीयावजाकृप्य

जाय ॥ सदान्नगज ॥ लाकपजानय ॥ रुक्मासदावाचन ॥ ग्रामजालिकः

पृथिनसिद्धि ॥ महावृद्धकृत् ॥ वेहालिका नाम नाहावमतादिन ॥ नमि

माथोका ॥ य हर्षया ॥ ॐ धर्मो हो ॥ महिपालसर्वगतजलसफा ॥ ३

फुगुफुगुगुन त्याहय ॥ पुरुकृगायाजन मासुर्य ॥ ॥ ॐ नभाज
त्वगयायनम ॥ श्रीमदु जमाद्यपा मलाक मजयागु ॥ जवु मिबुरुया ॥ प्र
पुणवमहमायवक नयना ॥ प्रापूर्वकायन ॥ प्रापूर्वकायन शंकाया
शंग ॥ संभयकसंवृद्ध पलम मजपिस्यं ॥ शंकादयका शंग ॥ श्रीजमाद्य
पा मजा क मजयागु ॥ जवु मिबुरुया प्रपुणवमहमायवक नयना गगुय ॥ जसिं
नाम ॥ पडयागु दिन संकफ किनक नयना हजाक जननी ॥
गध्याकासा ॥ पुनवाल ॥ श्री ३ जमाद्यपा मजाक मजयागु नमस्काजयाय ४

प्रथमं सरुकि पूर्व न कृत्वा ॥ तस्मात्तथा जलार्थ ॥ अथ रवंग धात्रा धासाः रु
 कि पूर्व कन ॥ महा भुची नील याना ॥ अपचम भवज याद जक ॥ मन गया
 रु कि पूर्व कन ॥ रु कि पूर्व कनं प्रजा याना ॥ अष्ट सिधु रू या मह माख शसां
 ज्ञाय यना ॥ ॥ तस्मात्तथा जल ॥ ग धात्रा धासा ॥ वागली प्लव याना गुमा
 हान ज ॥ अष्ट क जा ऊन ॥ उफ ना ज मा हा विहा जाय ॥ अष्ट क जा जान श
 सा ॥ उफ ना ज नाम महा विहा ज विद्या ना ची ॥ अ उफ गुफ हि क या क
 प्री र्थ ना या न ॥ अ उफ काल प्रा प ना या न धासा ॥ उफ गुफ हि क न न प्रा र्थ

त्रार्थ ॥ हुं उ उ फ गु फ हि क्क ॥ कलपालयाकृपान ॥ जिनइसां ॥ ज्ञनन
नधम्मकं भसत्वाया ॥ हुं उ कलपालयादयान ॥ ज्ञनन उ धम्मयाक
भकनायिकाय धं कल ॥ जिनइ इ न धं न ॥ जक चै य उ रु न ॥ जहाजा क
वु रु न ॥ जहाजा उ रु न ॥ जक चै य या उ रु ॥ भक या उ धम्मक भानन्ये
भ धं ॥ जइसां उ रु द का या ॥ महान चं उ ॥ महा उ रु म उ ॥ श्री जमा दपा
भस्य ॥ उ उ उ उ भक पु य मा हा भ्य ॥ पुनवा लग भज भस्य ॥ श्री जमा
दपा भलो क भज या उ ॥ श्रु मि उ रु या ट व जिन न्य न ॥ ॐ स्वा त्वं ४

इसा विद्यानावापी ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अहं ह्यहं यद्वानयागुखशसां ८
किं नमस्कात्याना न्यनागयागु ॥ नसिं नाम ॥ थउयागुदिनशसा ॥ क-
नयनाकं ॥ कंशसान्नीहं अश्वकजाजा ॥ गथजा असा अश्वसिं वृ-
यामहीमारव ॥ मजसमाननकुत्वा ॥ कंमनसमानयकचीगुयाना न्यना
विश्वार्ह ॥ हं अश्वकजाजा ॥ गथजा असा ॥ श्रीपलमवलनमदु अमा
यपा भस्यवृत् ॥ श्रीअमायपाभ अश्वककुत्वा अश्वलयागुमाहामं लुल
दयका ॥ कंमं अहिग अश्वकगुनवृहार्ह ॥ नदार्ह दार्हयाहामाचयपक

कं ॥ ॥ पनवाल जलजा धली कसामं लुलदयक धंका ॥ पूर्लकल
 लशसाकू कू सालदामनयनाला धसा ॥ मं लुलशसायातायि हीनंवा
 रुक ॥ रुलमजादि ॥ पंचपु कानशाकूमधी ॥ ग्म ॥ ग्वय ॥ कजा ॥ ०० ग्यादी
 वाइयका ॥ हानं कलंडसा ॥ पंकरजल ॥ नवजल ॥ लपलपडाहपेत्य ॥
 दधि ॥ पंकरवही ॥ पंकरजं सधी ॥ पंकरपुल्लव ॥ पंचामन ॥ साइइ ॥
 दाकाहान ॥ पह ॥ पाह ॥ वजाह ॥ जेह ॥ जे नाल ॥ कू भव ॥ असखा
 पा ॥ कू ॥ धंउ ॥ पंचसु ॥ जेनेगु ॥ कालकया ॥ धपूल्कलभस्त्र

पनायानाविय ॥ नानाकृष्टचंजन ॥ किंकिनीजालनरिग ॥ कर्बल
हान ॥ मंजुलयादुस ॥ नानाप्रकालया ॥ ॐ लामप्यना ॥ कृष्टचं
ज ॥ प्रगाक ॥ यामल ॥ उद्वल ॥ किंकिंजाल ॥ खानमाला ॥ ॐ ग्यादा
कायपा ॥ नृपक ॥ गायमानशुयक ॥ ग्यालयाना ॥ हानन्याकसा
यागुगमृगुशसा ॥ नवनयाक ॥ गुगुप्राहिपुनप्राचनापुडयग
उपपाभवनकुत्या ॥ ॥ कर्बलहानः ॥ चंजंगुगुप्राहितयाग
लिलिवायकाभपनायाना ॥ पचगह ॥ नवनयाकासकलवृज्जनपानी ॥

पंकेतगर्हका ॥ पनवाल जलहानं ॥ जपविधीपथाप्रवालपूजाजालदय
का ॥ ५॥ अष्टमिवर्गशुद्धादन ॥ सुद्धचिह्नसुद्धातिलन ॥ उच्छ्रव्यदम्भक
मलपापगानज ॥ प्रालिजनाकज्जलानवीर्ण ॥ पलमञ्चजस्य ॥ नत्मा ५
काजभाथ ॥ २०॥ खगध्वजाध्वसा ॥ २०॥ संसाजयजहगधनावागुवर्गमध्व
अष्टमिवर्गदनेग ॥ हापासुद्धातानयाना ॥ सुद्धचिह्नयाना ॥ प्रालिजन
पिंके ॥ कज्जलगुचिह्नगया ॥ दम्भकमलपापशयावागुगाना ॥ गपलम
जलयाकेजकमनगया ॥ विधिपूर्वकनपूजायानाविय ॥ गध्वजाध्वसा ॥

गंगमजलस्नानाय ॥ धप ॥ दिपनेवयसुर्गध्वजपिगमनसाचीर्ग ॥ ज
लकाद्वापा ॥ गंगमजलनहापास्नानयाय ॥ धं: धपासुआकापुजाया
य ॥ जकुसुर्गध्वचन्दनंशिक ॥ स्नानं ॥ आदिकाय ॥ नेवयदुलदुलः
गमः गवय ॥ याकुमधी ॥ दकुना ॥ आदिकाया ॥ गगितल जमाद्य
पाभजाकु जलया माहाम ललरुसा ॥ धलीवीधीपुर्वकदयकापु
आरावयाय ॥ रुज्जकजाजा ॥ जली धलीवधीयाय धंका ॥ धधम
नकामनाइ धं नानपलम जलयाक ॥ रुलस्यमवच ॥ जयमवनी
स

ॐ
ॐ
ॐ

१ सा

[illegible]

नवान्न ॥ कर्बलपथानयायमरुधयागुशसा ॥ उपाशककर्मनध
मर्कभाकजाम्पहं ॥ वृद्धधर्मसिद्यस्य मयु जमाद्यपो जस्यजन ॥ पंचाम्ब
मगस्यपालना ॥ पुनवातल जल ॥ जेष्ठमिषु रूदनमरुगधयागुशसा ;
उपासनऊकवाना ॥ श्रुतित्रलयाकः जमाद्यपो जाम्बजयागुनाम
ऊकस्यजलाना ॥ सधर्मयागुकभागुज्याकमनमाल ॥ हृज्जवक
जाजा ॥ सहाजाकपीधधधका जहादयकाविष्काग ॥ ॥ जेष्ठमर्क
नप्रापूर्वकाजनयक सिंजाम्बसिंहवावा जहापिन ॥ हृज्जवकजाजा ॥

कुरुयादिभक्त्यां ॥ शानन्दरिक्त ॥ सर्वनीवर्तविरुद्धिवाधिसत्त्वपिंस
कल ॥ डिमनिदालरिक्त ॥ हानडिनिदालञ्चविश्वलपी ॥ सकल
स्यसकलमकां ॥ श्रीरगवानस्यञ्जकनष्वहनस्य ॥ श्रीमकम
नीरगवानरुसा ॥ ऋकनष्वहनकाहाविद्याना ॥ कपिलवसुना
मेन ॥ कपिलवसुमाहानगले ॥ विश्वधामनामउद्यानरुसा ॥ अ
स्यमहासुखरुयावागुशुद्धरुमीस ॥ निर्मलसिजामयतउस्य
पर्वचन्दजाकलन ॥ अलजाअस्यनिर्मलरुयावागु ॥ वदानद

गु॥ वदार्थकलंगरागलाहंरागककादयाधान॥ ५ लाहंराया
नकुग५वाजा५सा॥ पूर्मासस्य॥ पूर्मासीत्यनूग५नकुवध
यइयावीगुय॥ ५ ५गुंनूयनूगजकोकलिमानंइयाधान॥ प
नक५॥ गीरगवानइसा॥ ५ हेसिगामय लाहंयादेडानविष्काना
उंशान॥ गपीगुपुकांलविष्कानाधान॥ नकुस्यपंकेजसिं॥ स्वर्गम
५पागालपुकांभीग॥ पुनवालगुगुपुकांविष्कानाधान५सा॥ ५
गुपंकेजसिंनकुइसापिकया॥ स्वर्गम५पागालययकोधान॥

ॐ श्री
य
८॥

॥ नदीगिरिसिनामय ॥ नानाधर्मव्याख्यानकथामहं ॥ जलजापगुणजवस्मी
पिबया ॥ नदीयामित्रचातुर्लाहंकागवजाभनयाना ॥ नानाप्रकालधर्म
व्याख्यानयायगमयालक्ष्याविष्कानाशान ॥ स्वर्गमध्वपातालदेवलाकः
सगजसूत्या ॥ संरायनसुदिस्यशाम्ननंशालापीनं ॥ नदाउगुवर्षन ॥ ८॥
स्वर्गवापीदेवलाकपिंस्य ॥ धर्पकंजसिंहाउपकागइयाउंगु ॥ सु
यागु ॥ गुम्फसियागु ॥ कादवलाकपिनी ॥ धीधीविद्यालयानाभया
वान ॥ नदाउगुवर्षन ॥ पुदिष्ठिधकानामइयावाक् ॥ शाम्ननकृष्ण

एनं अल ॥ हृदयलाकपिं ॥ ५५ परं चैत्रसिंगजुपीहाडंगु ममपीदवगा
पीगुमष ॥ ५५ गजसुसां स्यागु असा ॥ श्रीरगवानस्यवृद्धस्यमवच ॥
हृदयजाकपी ॥ ५५ परं चैत्रसिंगजसुसागु असा ॥ श्री २ भाकमनी ॥ वृ
द्धरगवानयागु ॥ ५५ गजपुका मयानाहगु ॥ ५५ ५५ ५५ कागुष्टिगामनन
५५ गुपुका ॥ ५५ गजदयकल ॥ हृदयजाकस्यपिथीव्याकपीलयसु
नामन ॥ ५५ गुद्धरुमीतिनामय ॥ कर्पलहृदयजाकपिं ॥ ५५ गभीजागु
कभंयानाहल असा ॥ ५५ पिथीमंजुल ॥ कपिलयसुनिनामनगल

रुगवान यागपूजाया ना ॥ मधुजवाक्क नाना धर्म व्याख्यान सुखा ॥
सुदृष्टिग संन देवना क ॥ नानापूष्य धूप दिप विधा पूर्व केन पूज
येत ॥ ५ ॥ ५ ॥ का सुदिष्टी शासन ॥ १ ॥ शासन मनी रुगवान या ॥ मधु
जगुवाक्कन ॥ नाना धर्म व्याख्यान मन उ न्य धका ॥ देवना क पिं
सकन मना ॥ ननगु क र्थ पूजा या सामाग्री जाली देयका ॥ नानापूष्यः
धूप दीप नैव य ॥ रुल रु ल ॥ प्रकान ॥ दिप ॥ कय चंड प्रगाप वा
नल उ द्यन ॥ सिनाक् पिं ॥ पात ॥ कि की जी का ॥ प्रात प्रगाम्बल;

ॐ सा
क
॥ १० ॥

स्तदिजात्रासकलदवत्राकपिंमनाअंत ॥ हानवर्गुदशन ॥ देव ॥ ना
ग ॥ उकत्राकसनागत्राक ॥ गंधर्वकीनयन ॥ यमवर्जुनवायुवक्र
व ॥ कृष्णदुयमत्राऊन ॥ नृपसत्रागत्रान ॥ पुनवालहान ॥ देव
त्राऊ ॥ ॐ न ॥ नागत्राऊ ॥ उकत्राकसनागलो ॥ गंधर्वत्राक ॥ की
नल ॥ धयापी ॥ यमत्राऊ ॥ वरुनत्राऊ ॥ वायु ॥ कृष्णल ॥ कृष्णद ॥
ऊर्मत्राऊ ॥ नृपसत्रागत्रापिं ॥ ५५ ॥ २ ॥ आपीदवत्राकपीमृका ॥ स
दिदीत्रासं सकलदवत्राकलिउ ॥ २ ॥ गया ॥ श्रीरगवानया ॥ ५५ ॥ ५५

॥ १० ॥

[illegible]

ॐ
क
॥ ११ ॥

हानं ज्ञेन गुणमात्रया जीका कखा यमा ॥ पाय पुगा मल या वस्तु ॥ हानं ने
वद्यदुल्लुल ॥ मय य ॥ याकूम धी सुव नंद कना ॥ ना ना पु कालं सकस्य
नं पूजा या ना ॥ विवल निवासन ॥ पिं द पागु दाह जपा ॥ हानं कि की नी
जालनं पना ॥ ना ना वाद्य धा ना ॥ ज्ञेन गुणमात्र लं उ त्ता ह या ना ॥ कर्बल हा
नं ज्ञेन गुणमात्र लं ॥ ऊपग प धा न पा प या ना ॥ ५ गु पु कालं सकस्य नं पूजा
या ना ॥ कृगा डली ॥ हानं सकल स्य नं ना हा हा कल पा ॥ नाप याग ॥ गु
पु कालं ॥ नाप याग धा सा ॥ सर्व द्वि पत्र मय ज्ञेन स्य वत्र ल न्द वि ई ॥

॥ ११ ॥

गुगुपु काल विनियोग ॥ हसं पलम्य ॥ लह गवान ॥ ५५५
का सकल स्वर्न ॥ यत्र नमल लक प्यां ॥ विंनियाना वान सुदिष्टी वा
न्नन ॥ सकल दव जाक पिंस्व ५५५ काली ॥ दया वान्ममस्य ५५५
५५५ जा म्य हं ॥ मनस्मान् अगता हृष्ट ॥ हृष्ट हसं बर्क ना ५५५
मगा का ज न मे र्व क ल लया दयान ॥ ५५५ दया दसा ॥ जिमिग
स ५५५ मया क ५५५ स ५५५ म ५५५ वा गा ज या गु र्य न्य न ॥ जिमी न्द्र
ग ५५५ दा शया ॥ ग सिं नाम ५५५ या गु दि न ॥ जिमी सकल अया हृष्ट ॥

सकलद्वयगन॥ असकस्यनविनिर्गता॥ ॥ नस्मार्थकाजनः
उग्वर्युग॥ पंकेदभरवनया॥ उरुगातवनया॥ दभदिगतरवन
या॥ चतुदिगतरवनदृष्टादवजाकेन भागता॥ हानचतुदभतरव
नयादवजाकेपी॥ दभदिगयादवजाकेपी॥ सकलमृना धंकाडाल
वर्तुजाजात्रासिधनासाधगत्रात्रिदिगवल॥ याहभवा॥ गंध
र्व॥ गलपुगीविद्याधजागुक्तलाकडपाभक॥ पासिकोसमदुनाक
पूर्णवालहान॥ चतुमाहात्राजाधयापी॥ सिधगनधयापि॥ साधगनपा

ॐ नमः
॥ १३ ॥

त्रि रवी जलन ॥ या ग जलनपी ॥ विद्या धल ॥ शुद्ध लोकगनपिं ॥
उपासिकधी ॥ ॐ जो २ पिंदव दे न मनूष्यगनरुसा ॥ श्रीरगवान
या भसंताया ॥ धी धी पंचापुर बापू जायानावान ॥ पुन शुद्धी ग्रन्थ
न ॐ नदस्य जलकन ॥ कृणाडली मन्दा ॥ गदाउ गुवर्षग ॥ सुदिष्टी
ग्रा ॐ ॥ ॐ नद ॥ जलकना जा सकल स्यन हा ५ हा कल पाडां वि कि
यानावान ॥ गगुण कालं ५ सा ॥ हरगवाना हवृष्य स सहजुनम
कृण ॥ हरगवन हगुर्क लपोलयाक ॥ सहजुनम स्याल हे प्रद ४

१३

इरुमस्युर्ग ॥ हगुगु कलपालयाक राकगु विंति याय ॥ ग ५ ॥
५ ॥ सा ॥ वरु दे का या उ रु मगु ॥ ५ ॥ अरु मिगु रु या क ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
न्यरु लस्य समस्यन ॥ अरु पुसा ॥ हगुगु पु न्यरु ल ॥ ५ ॥ सक ठा डि
मीग अरु दय का विष्काई ॥ ५ ॥ पुगु पु काल सकल दे व या क न विमिया
ना वान ॥ ५ ॥ अरु ग वान या क अं न्य वाना ॥ दे व या क ५ ॥ नंदन ॥ अरु दिष्ठा
गु अरु अ का मूडा ॥ पुन बाल दे व या क ५ ॥ नंद ॥ अरु दिष्ठा न ॥ ५ ॥
अरु या जा पिं सकल स्यन ॥ अरु मिगु रु या पु न्यरु ल न्यन ५ का ५ ॥ ॥

ॐ नमः
१४

अलगवान्वाच कर्तना दृष्टी सत्त्वा ॥ श्रीमद् अर्भापा भस्वयुक्तं भक्त्या मया
हं ॥ ॥ पूर्वया ल अलका सकल सत्त्वा कया ॥ श्रीलगवान्वाच ल
नया ॥ मस्तुक्तं इति ॥ अर्भापा भक्त्या मलया ॥ प्रत्यमही मा सकल
दव जाक पिं ॥ अर्भापा दयकल ॥ गुगु पकाल अर्भापा दयकल भक्त्या ॥
हे दव जाक पिं ॥ दव जाक गुं ॥ गुदिष्टी ग्रा ॥ अर्भापा कया जा ॥ किं
सकल सत्त्वा ॥ अर्भापा मया वाचिर्गुं गुं या नान्य किमी सत्त्वा ॥ मा हाका
मल गु वचन इत्या वा ॥ लगवान्वाच इत्या अर्भापा कया मही मा
मा

॥ १४ ॥

इसा ॥ अज्ञादयका विष्णु ॥ ॥ ॐ ॐ पुकारं ॥ असा ॥ हृदय जाक
ॐ दिष्टि ग्राहक ॥ ॐ ॐ क्राडा ॥ ग ॐ जा ॥ असा ॥ ॐ विष्णु मनसा
याया ॐ ॐ ॐ वर्याद ॥ अक ॥ पापस्य प्राचनी ॥ प्रालीना कर्माद
षी ॥ ॐ विष्णु समाहित ॥ ॐ ॐ विष्णु रासा सनान पर्वग रुद्र ॥
रापानी ॐ ॐ मनवचन इसा ॥ कायवाक्यी कृ इसा ॐ ॐ याना ॥ ॐ
ॐ ॐ ॐ जलपा ॥ ॐ ॐ ॐ सलपाप इसा गा ॥ ॐ ॐ ॐ नया
ॐ ॥ ॐ ॐ ॐ विष्णु गया ॥ ॐ ॐ ॐ या वागुव सं पना ॥ ॐ ॐ ॐ नयाना डया ॥

ॐ नमो
१५॥

१ का

जातविष्णुखनपंकरगर्भकया ॥ उपासनाची न्य ॥ श्री गुरुमाचपा या क
लया मंलुलदयका ॥ गुरुप्राप्तिगसहीनं विद्या ॥ ५ गुरुमिपु
तु विवि विष्णुन ५ चलयया या न गुरु ॥ ह गुरु न क जा जा ५ का ॥ गुरु
गवानं गुरुदयका विद्याग ॥ ॥ ५ ५ गुरुदयका वचनन ॥ १५ ॥
न ॥ बुद्धिगर्भ ॥ ० न गुरुदी ॥ गुरु न क जा जा ॥ सफल जा क ॥ देव
देव ॥ मनुष्य ॥ गुरु व स क ल मना ॥ ५ बुद्धि मी व रु दना विद्या ना
वान ॥ ५ उ या गुरु उंगल ॥ ५ ५ ५ का श्री गुरुदय गवानं गुरुदयः

का विष्ठाः हे जे कजाजा ॥

॥ उरूत्रापं पवसिगज्जुषा उरुस
मानय ॥ तस्मात्तथात्र ॥ उगुवर्षतश्चा ॥ उरूत्रापं पथ्यागु नग
लश्चां ॥ वासयानावा ॥ वसिष्ठज्जुषा ॥ जय ॥ यथा ॥ जल ॥ स्पर्श ॥ उरू
कगुदनावाना कालंदय धं कल ॥ नप्यमवचमन नंदोलनन ॥ श्री
रगवानस्य सुधर्म ॥ उपद ॥ भक्त ॥ समा ॥ बाल ॥ वसिष्ठस्य सत्या ॥ शगक ॥
गदा उगुवर्षत ॥ ५ ॥ वसिष्ठज्जुषा ॥ जय ॥ उरूदनावागु ॥ गकालंदरू
नप्यरुल जायमरूनी ॥ ॥ ५ ॥ रुयाधगुमन ॥ ॥ शकूलव्याकूलशयाः

॥ १५ ॥

॥ १५ ॥

॥ १५ ॥

शानुसिद्ध ज्ञानीया ॥ शानुग ध्याय धका चान ॥ श्रीरुगवान ध
मंडपद गुप्ता चाल ॥ पूर्णवाल उगुवर्षत ॥ श्रीरुगवान धर्मउप
द भ धर्मक भ कना चान धगु ॥ वसिष्ठ ज्ञ विष्णु जन सना चाल सि
याडा ॥ पुस्तान मम ॥ श ध धा य सडा डिडा न धका पुस्तान या
ना चान ॥ धर्म अथ काम भा करु ल ग पि ॥ श डिग ॥ धर्म अथ
काम भा क नाय धका ॥ ॐ क्वा या ना ॥ उरु जाय ध न ग ल पुस्तान
या ना डा ल ॥ नदा उगुवर्षत ॥ श्रीरुगवान या सहास धं क डा ल ४

॥ १५ ॥

वसिष्ठ कन आवथा जाउं ॥ गदाउगुवर्षन गुरगवानं शस्त्रादयक
लगुगुपकालं असा ॥ हं अश्वकजा ॥ अश्वसिष्ठ अषी कृष्णजन
डाल ॥ उफगुफनामन ॥ एगवानस्य हत्या ॥ अश्वकजा डाने ॥ गस्म
प ॥ अल ग्राउफगुफरिक्कनं कसां ॥ गुरगवानयागुरवा लज्जया ॥
अश्वकजा डायग अल ॥ गुगुपकालं अलजा असा ॥ हं अश्वकजा डः
अश्वसिष्ठ अषी डंगु अर्थस्य ॥ गुरगवानयासहर्मल्लसइ
हा डी ना ॥ एगवानया वजनकमल राकप्या ॥ गुरगवानयागु ॥

कुं उअ न्य विष्ठाग ॥

॥ गदा उ गु वष न ॥

गिरुगवानंशुता अल्लदय

कल ॥ हं अ न्य क जा जा ॥ हं व सि षु षु षी ष्वल ॥ कं न अ ग गा व या हं ४

हं व सि षु ॥ कं प न का य उं या ॥ कं का ज ल उं या ॥ कं अ म थ का य इ

या ॥ प गु भ ली ले ॥ सं सी गा गा हा क या ना ॥ लं सी ज क नं गा हा क इ ॥ १७ ॥

य कं ॥ स्र कं स्रं ग सिं वा इ य का का य इ या ॥ गो ह नं म द य कं ॥ का ज

लं म द य कं ॥ अ म थ का य इ या ॥ उ द र प न ॥ वि षु प या ना इ ल कं ॥

ग हिल न ॥ अ ल्प कं गं सि इ य का ॥ प गु स जी ल क क या ना इ ल ॥

ऋति ३४ श्वन क षु ऋ ष्वरुनी ॥ म ष्व किं न्य रूपन ॥ कर्वल हव सि
 षु ऋ ष्वि कं जा ऋ ष्वन क षु दना क ष्वन या ॥ इ ष्वरु य का ष्व य रु या ॥
 ष्व य ना पं म या ष्व क ष्व य रु या ॥ क न का ज ल ॥ क ष्व य ल ॥ गु गु का
 ज ल ष्व का ॥ श्री ग ग वानं न्य ना वि ष्वा न ॥ ह ग वान स्य वा वा सृ त्वा ॥ य
 सि षु ऋ ष्वी स्य ॥ क ष्व ना उ ली म् डा ना ॥ ह ष्व र ह गु र् रु रु या वि ष्वा ना वा
 ष्व ॥ प ष्व ष्व का प गु पु काल ॥ य सि षु ऋ ष्वी ष्व ल नं ॥ वि क्रिया ना वा
 न ॥ गु गु पु काल ष्व सा ॥ ह ह ग वान ह गु र् रु ॥ डि प ष्वं रु या गु म माः

ॐ नमो
१८

सना

काजनमष ॥ काजलनसमस्तस्य ॥ हरगवानिधि ॥ ५५ ॥ श्यागु ॥ कलपा
लस्यहस्य ॥ डिंक् विनगियाय ॥ ममइ ४ र्यन ॥ डिगुइरवसुखक
लपालस्य ॥ डिंक् विमियाय ॥ हगुत्र ४ ॥ धन विनगियाय ॥ कलपा
लयाक ॥ ममस्य कनमासापेवा ॥ ध्युर्न स हस्त नयवर्षन ॥ हगुत्र
मेवगा काजलमष ॥ मासापवास्य ५ ॥ श्यागु ३ ॥ पासाय ५ ॥ शानागु ३
६ ॥ सक्की ६ १०० ॥ दयध्वकल ॥ धनीया ३ ॥ श्यागु ३ ॥ डिनं धर्म ३ ॥
काममाक ५ ॥ लजायमरुनी ॥ ५ ॥ ध्याकाजल ॥ डिइरव सियाइया ४

॥ १८ ॥

[illegible]

ॐ नमः
१८

कथाकथाम्बहं ॥ हनुमत्कथा महादयका विष्णुर्ह ॥ मममाकुरुल
माईपुसभारय ॥ हनुमत्सर्वज्ञनाथ ॥ ॐ नमो नमो माकमाईता
न्यदं ॐ जं ॐ कपुसश्या विष्णुर्ह ॥ ५ गुणकालवसिष्ठलिषी
श्वज नईसा ॥ गुरुगवानयाक ॥ नानामाथन ॥ नानापुकाववि
गिया नाथान ॥ ॥ ननकावायाहनीत्या ॥ एगवानस्पृह त्या
शालापिन ॥ नवमर्त्यस्यमासापुवात्युर्ह केनकावन ॥ हयसी
नमः ॥ शानमासापुवात्युर्ह दनायाकाहनक ॥ केशुमनेक

॥ १८ ॥

इया ज्ञानमगुरुं वाना ॥ कजावजाहमर्ष ॥ क कामनाया नावाना ॥ ५७७
काली ॥ गुरुगवानं ॥ वसिष्ठजिषीयाखाल ॥ मरुतुर्द्विं जा ॥ ज्ञान
दयकाविष्कात ॥ कजावजाहमर्ष ॥ ज्ञानमासापुवास्वगुरुद
नापन्यदलजा ॥ कुरुद ॥ गुमषुहवसिष्ठज ॥ ५७८ तजील मागुस्य
कगुरुइयावान ॥ कषुवाय ॥ इयावान ॥ महाकषुनइत्य ॥ माहाक
षुनया ॥ इ४४ वसिया ॥ कवानमाल ॥ कविर्पइया ॥ संतीउक ॥ लसी
उक ॥ गवउक ॥ गमाहाकयाना ॥ ५७९ मया ॥ गव ॥ गहमदयकाइयमा ॥

पथीजाग्रुमरीग्रुफलठकदिवियाहल ॥ पशुपुकातं ॥ वसिष्ठजुषीयाग ॥
 गीरुगवान्नानावान्न ॥ ॥ रगवान्नस्वयवन्नसुता ॥ वसिष्ठजुषी
 स्यामलनसुता ॥ माहाविजापनवालवापनधिर्यकुगाजलीमृदु ॥
 गदाडुगुवर्षगयसिष्ठजुषीयाग ॥ गीरुगवान्नश्राद्धदयकन्यना
 डा ॥ पडां पडां पमनं ड सुकालगया ॥ तिलकसाकुकना ॥ यवगुजाहा
 नहुकूमिया ॥ अथवाहान्नमिरवानीयवीधज्राहायका ॥ माहापनः
 माहाविजापयाना ॥ पथमनमहापेद्याया ॥ वालवालडसुकाजगया ॥

विष्णुनं कं गाऊली मूडा ॥ कर्वल हानं ॥ रुका विर्जया ना ॥ खाखा रुक
न जया विदिया ना धान ॥ रगवान या क ॥ हगु रु हना प ॥ नरा इ सांती
नं कल पा लया क ॥ भगा का जल ॥ धु रु द ना गु मष ॥ ध सी सा जा हं उ
लाह न य र्ज सा रु ल मा ग क ल्य ॥ धम नर प काम मो क रु ल मा जा ॥ मा सा
पु वा ल पु रु उ पा भ ना स य न व धे न ॥ अ सिं दि ने न रु ल च र न ॥
हं न क म न र ग वा न ॥ भगा का जल मष ॥ ध सी सा ल ॥ उ ला ह ध या गु
रु र्ज सि धि ना य ध का ॥ धम नर प काम मो क रु ल या य या काम ना न ॥ ४ ॥

४५
क
२१

मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
सक्तिद १०० ॥ दयध्वं कल ॥ धनीया ॥ अडीगल ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
महनी ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
यग ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
हे देव ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
ना ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥
नकाया ना विचार ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥

॥ २१ ॥

आकादयकाविष्कार् ॥ ॥ यगधर्मनिरूपन ॥ रुपलमि जलमासा
पुवाभयर्कुदनावागु ॥ निरुललल ॥ मभगुउपायकनाविष्कार् ॥
थथथका ॥ सहस्यनवदिता ॥ सहसुकातिधकाविंति यानावान ४ ॥
वसिष्ठवाचा ॥ एगवानसत्याहास्यजा ॥ पुनयाल जलवसिष्ठजुषीया
गुखालज्या ॥ गुरगवानमद्रुगमाग ॥ एगवन ॥ जलजाउगवर्य
न ॥ जषीयागुखालज्या ॥ गुरगवानमद्रुगमाग ॥ जलजाउगवर्य
नरखालज्या ॥ एगवान ॥ वसिष्ठमनज्याकुलइत्यपिन्दल ।

ॐ

क

॥ २२ ॥

अलवसीषु अषीया ॥ मनयाग आकूलया दुशयका ॥ महाकयुनया ॥
नागनागीया स्वासगया श्री ॥ यत्रावल उ सकालगया ॥ हानरगा
वायाक प्राथनाया नाथान ॥ सीताल नज दानराय पलम ॥ हृ
हृगु ॥ ॥ सीताल सज दयायी ॥ ममपी हनीमयना ॥ विना
कुलपाल विनान ॥ न दयायी संहमयना ॥ हृगु ॥ विगड ॥
लयाना विद्याई ॥ हृगु ॥ कर्बल कुलपाल गधी ॥ सफलद
वजाकया ॥ समरु प्राणी जनया ॥ आसारल सानक लपाल हृगु ॥ ४

॥ २२ ॥

सर्वमन्त्रपात्रमाहात्म्यगिसयन॥ ह्रु ह्रु लपालपी॥ माहात्म्य
वगश्यावा॥ संपूर्णहृत्पात्रा॥ अम्मउम्मगिपननदा
नपुदान॥ नानादवन॥ कर्वलहानं॥ अम्मउम्मगिपसं॥ नानाप्रकाल
यादानदागर्वायानां विद्यानावा॥ अम्मउम्मलपाल॥ हानं अन्ननपीदवगा
पि॥ अम्मउम्मपद॥ वियाविद्यानावा॥ अम्मउम्मलपाल॥ अन्नन अन्नान
नपलम॥ पुनवाल हानं अन्न अन्नलमइ॥ वियाविद्यानावा॥
थपीजा॥ अम्मउम्मलपालया॥ अम्मउम्मलपाल॥ अम्मउम्मलपाल॥ अम्मउम्मलपाल॥

कल पाजया ॥ मम मर्षजाग्रा ॥ डि पी आ क म र्प र्प ॥ ह ग ग य य ह प
 ह ॥ दा डि ग व नी क इ र्प ॥ दा डि पा क गु इ र्प ॥ स स ना गु न ॥ स र व
 ना ग ना आ ॥ धं र्प ॥ द म गि व ज्ञा प न या ॥ नि ग व इ र्प स ह ॥ थ थ
 आ पि र्प ॥ कल पाजया ग ग य य म र्प ॥ म म म र्प ॥ डि म र्प र्प ग
 ग य य र्प यी ॥ ह ग ग य न म म र्प नी ॥ म म न का क र्प ॥ डि ग न का य य
 माल र्प ग र्प ॥ मा हा वि ज्ञा प न ॥ थ ग प काल वि ज्ञा प या ना धा ग य
 व सि र्प वि ज्ञा प न ॥ ह ग य न स र्प र्प न वी र्प ॥ ग र्प पि र्प ॥ ४

नदाउगुवर्यत॥ वसिष्ठ उवाच॥ विजायागु नया॥ श्रीरंगवानं ०१ ह्ला
दयकल॥ गुगुगु कालं धसा॥ हव सिष्ठ उवाच॥ मनमास॥ कर्ममनसमा
नयक चिरुयाना न्य॥ ग धजा धसा॥ ध संसाल सज्ञया चागुत्य॥ कृग
कनेकनेक॥ विगु विदुयाना कं॥ ध संसा जे लाक उन पीस्यं॥ धर्मजा
यंगु॥ नरेदनयक चीगुन॥ यक एव न कायकाक चीगु गुद्व नभव
य॥ जागद्व समाह मायाका धस्य निरुपेन॥ धर्मजायगु प्रा नीऊन
पिंसी हदमस्य॥ ग धजा धसा॥ धगु चिरु गुद्वयाना॥ यक मनयानाः

२४
क
२४

५५५मयास्प ॥ ५५५वाहन ॥ कायवाक विरु सुखमशुख ॥ कर्बलहान ॥
जाग ॥ ५५५ ॥ माह ॥ माया ॥ क्राद ॥ ५५५ ॥ कागुन रवठगती जा ॥ ५५५ ॥
ताता ५५५यात जा ५५५यागुइसा ॥ ५५५ ॥ कासमाक वरुवइरुल
यायरुयी ॥ कजीस्यजाक ननमव ॥ ५५५ ॥ कजीयाजीक ॥ २४
जनपनीस्यन ॥ ५५५ ॥ न ५५५यागु ॥ ५५५ ॥ यायमरुजीकजन ॥ ५५५
मजकयाजा ५५५ ॥ जाकयागुला लया ५५५ ॥ याजावान ॥ ५५५ ॥
लपन ॥ ५५५ ॥ मनुगस्य ॥ ५५५ ॥ याजावान ५५५ ॥ ५५५ ॥ मरुन

अभगवधनवलजन ॥ ननगुपकाल ॥ पणउककगिजाक ॥ ५५ ॥ इ
गुस्वार्नयानाशुल ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
गु ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
काजनयल ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
हानननान ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
सामसिया ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥

४५
४
२५

फल सियाइय माल ॥ रवर्द्ध निजान स्या ॥ गुरु धर्मस्य सजीवन द्या
 न क ॥ हाने ५ ५ ५ धर्म जायम स्या ॥ रवर्द्ध नि सऊक जाना या वा
 द्रुया वान ॥ जाक उन पी ॥ ३५ याका जल ॥ छन रुव सिष्ठु ज
 षी ॥ ५ ५ ५ धर्म जायगु ह द म म ॥ ५ गु सलील उक कष्ट या
 ना इया वागु ॥ ६१०० द द य ५ फल ॥ ३५ न क न धर्म ३५ काम
 मा क ॥ ५ वरु व ग रल जाय म रुनी ॥ मन समा द रु वीरु स्य ॥
 ह व सिष्ठु ज षी ॥ काका व विरु धी रु या ना न्य ॥ ५ स सा ल जी क या गु ॥

12411

ज्ञानग धावा धासा ॥ अथ कर्म धावा ॥ पर्वगया वाय वागु ॥ वृद्ध ॥ सिमा
याम्लगु कया स सया वागु ॥ रुलखा ना नय धका वा ना वा धा ॥ कर्वल हान
हमलं या कृद यका नयी स्वा न ॥ न स कया शयी ॥ अल धा स्वा न धा या उ क
य धका शसा क यागु धा ॥ धा धा रु ॥ अ अज्ञानी पीत्रा क जन पी स्य ॥ अने
नया का प्ल ॥ ना ना पु काले वा का या ना रु ल ॥ धा डी मा नि रु ल धा दा सि
क ॥ हा हा क रु ह न मान अम ॥ धा म नि रु ल ॥ कर्वल हा ॥ हा हा का न श
यका ॥ क रु ड क न या ॥ ग धा ह न मान ॥ अम रु ल न य म स या उ ॥

मृग
क
२६

पुनर्वात ॥ अथ मनया वाथां ॥ हवसिष्ठ ॥ धधं नुका कं धर्मया ह्युत्राय
मरुग ॥ मासापुवा वलीगा ॥ कं मासापुवा भवुर्दनायापुत्राय म
रुनी ॥ धर्मजाय मरुनी ॥ कं जा हा हा कषु नया शल धका हा जा शल ॥
सत्रीलस्य कषु न धर्मनिरु ल नरुदन ॥ पुनर्वात हान ॥ धग सुजील ॥ २६
यागु उक कषु या ना ॥ धर्मया ह्यु मसयका ॥ हा की धर्मया सा निरु
लशया ॥ रुल जाय मरु ॥ धग ध मसील ॥ हवसिष्ठ जषी ज्वल ॥ कं
नदान न कषु च मासापुवा स्ववत्रीगा ॥ कर्वल ॥ मउ क कषु नया ॥ दान
पुदान धयागु हं ह मया स्य ॥ मासापुवा सयुर्दु उक या ना ॥ ध्यम धः

दानपुदानमयास्य । शमथं मंत्रं क क क नया । धर्मं न च काममाकं
यगुगननायक्यी ॥ उलाजाहूनखर्कसि विनवाहनी ॥ कर्तलहान
उलाजाह्वयागुखर्कसिद्धि ॥ कृगुयापेजायक्यी ॥ शमथं हाकाध
मयानाशसा ॥ रुडमसीयर्कगनवर्कवर्ककलजायक्यी ॥ ६१००
तल्लीद ॥ दयधुंफल ॥ मासापुवाव्यगुर्कधानावागु ॥ शमलधर्मजा
यमनी ॥ विद्वानधगुर्कधकाधयावागु ॥ कपिषी ॥ द्यालीतासाकिन
गु डिप्लीगकयाजानावान्यरुधका ॥ हानधर्मयागदासागयाशक ॥
६६७ ॥ १ मा

ॐ
२१

दोखन॥ धर्मयाग दोषनयाशुम्भ॥ कंजुषी॥ धर्मधयाग कं गाहमषुध
ॐ नमः॥ चिकान २ नात्राप्रकायनरगवानस्पयावा॥ धगुपुकाती॥ ना
नाप्रकाती जषी धत्रयाग॥ ग्राएग वानं वावियावान॥ जषीस्यमासापु
वाधुवुं वसयनवर्क॥ अस्मिन्नकल॥ पुनवाल ५ धध धगुपुकाती ग्रा २१॥
ह्लादयकल॥ हवसिषे जषी कंजाहो हो मासापुवाह॥ वर्कवानागुदं
१०० सक्रीद॥ अथनं पडया ज्ञयापिकक॥ कलजायमहनीकं॥ अ
मधं धगुवीर्क धुधमशुर्क॥ अथवाहान॥ दानदकय कनमयासशुम्भ॥

पुत्रमजीलजकधंकाश्री ॥ धर्मजायमसुस्रया ॥ पुत्रसलयागजकक
वृयाजाश्री ॥ धर्मयातदुमसुस्रसीया ॥ नानापदालधर्मयानाश्ल ॥ ह
नधर्मयानदाषनयाश्री ॥ मनसाववसाजसामर्थन ॥ मर्यस्यगृषीः
काकाहमृषी ॥ जीगकमनवाधं ॥ सामर्थदसा ॥ कृपीजासुमर्यस्र
मृषीकृमया ॥ साकसिंगपश्ल ॥ डिगकृहसंख्यामइ ॥ कृजामर्यशिया
धकाधर्मजायमरुनी ॥ ज्ञाननयुर्धम ॥ धर्मस्यकलमापान ॥ कर्ष
लहवसिष्ठमृषी ॥ कृत्तुर्धलदनगुमसियावाक्यात ॥ नजानधम्म

गदयीगु धम्मउ पद स वि य ॥ कं नं ज षी ॥ ज षा स्य काय वा क ची न न
 च ज नी का दी ग ॥ ५ गु गु काल ॥ गी र ग वा नं श हा द य क ल ॥ गु गु गु क
 ल ॥ ५ सा ॥ ह व सि षु ज षी ॥ क व ल कं न न श सा ॥ का य ॥ वा क ॥ ची गु
 बु द य ना ॥ न क वि गु य ना ॥ ह न श म ह हा पा या ना त या गु ॥ व
 कं ता ता क ॥ श डी ली ॥ न ना न स ध म्म प न्न ज रा द यी गु क न व स
 गु ज षी ॥ ज मा द स्य रु ल मा दा ॥ गु क्का व मी व रु स मा य ल ॥
 ग मा ध का न भ थ ॥ ह व सि षु ॥ श ग भ ज षा ॥ प न्न वा य ध या ग

शसा ॥ श्री गुरुभाषपागलाक जलयाग ॥ गुरुमिगुरुस ॥ उरुचीरुया
ना ॥ गुरुचलयागानाचीनधसा ॥ इरुनजायग ॥ सगगुनमागळ ॥
मनसा ॥ वाचाकल्पना ॥ दभकभलपापकादनी ॥ नजकसनरागस्य ॥
गुरुमीगुरुचलयागानासां ॥ इरुमिडाभमालीमष ॥ ननानेसुषा
वमिडाभयदयो ॥ विसाचन ॥ भगुमनगुरुमशलधसा ॥ नानाक
पंगुरुधमसा निरुल ॥ पापगुचीगुऊकशयाचानी ॥ दभकस
लपापनरुयीमष ॥ सिनाहडासा ॥ नजकहागयायमाली ॥

ॐ नमः
क
१९

ॐ नमः ॥ नाना धर्मवर्तु शुद्ध चार्त्तन ॥ हव सिद्ध ॥ नाना धर्मवर्तु या
यता ॥ भगु मनवचन सुद्ध मया स्या ॥ हागु धर्मयासा निरुल इयी ॥ हव
सिद्ध जल ॥ न विचायन ॥ विना विचात मया स्या ॥ कं जल ॥
जिं धयागु रव न्यजा ॥ हव जल ॥ धपी जागु धर्मवर्तु कं गकन धन ॥ २५
नि विगु वाचा सुत्या ॥ हव सिद्ध जल ॥ निरुमि धयागु कं गकन
एल वसीव ॥ कं न्य नाची धर्य ॥ ॥ व सिद्ध जल ॥ नि विगु
धर्म काय ॥ काय वा कचीरु शुद्ध न ॥ हव सीव जल ॥ भगु निरुमि ॥

धर्मधयागु॥ कृत्राधसा॥ कायवाकचिरुशुद्धयाना॥ प्राणीमान॥
श्रुधवाहान॥ प्राणीजनयागुक्रत्रागया॥ कर्वलरुका॥ दूरुध
धर्मदानदागवयायगु॥ श्रुलधकात्रिवृतीधर्मधयागु॥
वगुहयनाशन॥ द्युअगिपापमाचन॥ श्रुधन॥ धर्म॥ श्रुध॥ का
म॥ मोद॥ वगुयअरुलायगु॥ पुनवाल॥ धससापपगारयइ
गुमाद॥ द्युअगिउअगु॥ पापमाचनयाना॥ धर्मश्रुधकाममा
द॥ धलीचगुउअविहालयगु॥ रुलजादयी॥ उर्मरसऊजा॥

ॐ नमो
३०

व्याधिम् नमस्कृत्य स्यात्कुरु ॥ ५५ पकारयद्दुसंली ॥ सुखश्याउंयी ॥
आकुं चिरुं पुष्टयाना ५६ मयासा ॥ ननानगप्रदयाउंनी ॥ ५७ गुणका
लं ॥ ५८ गगानं आह्लादयका विद्यानाधान ॥ ५९ एगवानस्यवा
वाभुम्य ॥ ६० वसिष्ठजुषीत्य ॥ सहमुनमस्माल ॥ गदाउगवर्षग ॥ ६१ एग
वानयागु आह्लादयना ॥ ६२ वसिष्ठजुषीत्वंली ॥ सहमुनमस्मालयाना
॥ ६३ जलकावसिष्ठजुषीया ॥ मनश्शसाहगासवाया ॥ ६४ एगवानया
पाइकासलाकप्या ॥ ६५ आहाहाथकालपाउं ॥ विद्वियानाधान ॥ ॥

॥ ३०

उत्तुप कालविमियाना नान धस्ता ॥ र गवान स्य देवदेवाणि ॥ मम मर्त्यनि
मृत्य ॥ हे पुत्र हे गृह गवान ॥ देवा देव्याना भक्षया विद्याना वाक् ॥ ओ
जि धीजा क्र मृत्य क्र याग ॥ ग ध का क्र मन याग जं क ना विय गु धं ॥ ५ धं
नु जिग मा क मा ग डा न गु लं क ना वि स्म ई ॥ हे पुत्र ॥ इ ऊ न स्य मा ई न ॥
सनं इ ऊ न या ग ॥ ध म्म या गु लं क न धं ॥ उप दे ल न म म ॥ जि ग ध म्म या
गु उप दे ल ॥ पुत्र श या वि स्म ई ॥ ५ गु प काल व सि वु ष्ण षी न ॥ न म स्का
ल या ना वि मियाना धी न ॥ ॥ म धि स्य व च न क न्द ल न गी र ग वान ॥

ॐ नमः
क
३१

पूर्णबाल नृलजाव सिद्ध मृषा नयि की यागु नयना ॥ श्रीरुगवान कर्ना
वायाडा ॥ नमो दयत ॥ हव सिद्ध ॥ ह नृम कजावा ॥ दिनं की गउ पद मयी
यग धावा ॥ पूजा पूर्व कालेन ॥ स्मरु दय ला क ॥ मान् क वयल ॥
पूर्णबाल ॥ धरु ग धावा ॥ पूजा पूर्व काल ॥ सकल दय प्री क ॥ नृ क जा ॥ ३१
क ॥ सकल धन वय या ना वा न ॥ ध धं नु वि मा स्य न वस या ना वा न धावा
नृ कावन ॥ नमो नल मा क क पुद ना यदु ॥ ५ पी जागु मा क रु ल ना य
दयी ॥ श्री नृमाद्य पा न ला क न ल वागु ॥ नृम मि उ रु द ना वा हव सिद्ध ॥

कार्तिक शुक्ल नवम्यां ॥ अक्षय्या वाज ॥ हस्ता पक्ष ॥ बृहस्पती ॥
पूर्नवाल हज्ज वसीव ॥ ५ शुक्ल वृक्ष वासया दिन शुक्ल
स्य असा ॥ कार्तिक शुक्ल या मय अष्टमि ॥ हस्तान कुरु ॥ अक्षय्या
वाल ॥ विसर्ग बृहस्पति वाज नक्ष ॥ ५ पक्ष पलव काल जा नानीः
उष्यागु दिन त्रिंश ॥ मास शुक्ल ॥ मास कुरु ॥ अथवा ॥ शुक्ल पक्ष
न ॥ कुरु पक्ष नया यक्ष ५ शुक्ल ॥ शुक्ली सीता स्नान ॥ अथ ॥ पक्षी
पुवाल ॥ कर्वाल कर्पा शुक्लीन क्रिया न स्नान कर्म या ना ॥ सुध मनया

ना ॥ पंचांगचालपूजा जीलदयका ॥ ५६ अरुमिपुर्कदने ॥ मासस्यपूर्व
 मास्य ॥ मास्य २३ रुदनापूर्वयाय ॥ उलायनकषुइयनमाचन ॥ ५
 मर्मअर्थकाममाकुरुलन ॥ अले धलीयायधंसली ॥ माकरुनयाय
 दं० ॥ धर्मअर्थकाममाकथप्यगुरुलइसीरुलदं० ॥ वसिष्ठम
 षी ॥ धधीजागुप्यरुलइगुगुरुसदानंवलया ॥ ५५ धकाग्रीगा
 वानं अज्ञादयकाविष्कनावान ॥ नभागगुस्यवचनसृत्या ॥ अलेजा
 वसिष्ठमृषीया ॥ मनेहगासयाया ॥ सनविनियानहलगवनधका ॥

हे गुन् ॥ ५ पीजागुवुरूदन्गुजिमस ॥ नाकुयाय ॥ दवतानेकुलयाना
५ मासापुवास्वगुरूयाकागलजिग ॥ ५ पीजागुवुरूधम्मकपानन्यन
मनानी ॥ कलपोनयादयान ॥ अनियादीन ॥ ५ पीजागुधम्मयाखनन्य
दग ॥ डीगुलगधन ॥ जिप्पणीशयायासाकलकल ॥ हनापहगु ॥
पुनवालधमउपदमन ॥ जवमीगुरूस्यविधाविधानन ॥ हेगु ॥ श
शसाजवमिगुरूयाविधाविधानउपदमकनाविस्काई ॥ कूकूमाल
सालदाम ॥ ५ डीनाशदयकाविस्काई ॥ हेगु ॥ एगवान ॥ वसिष्टविगिया
न ॥

मासापुवास्तसमाफन ॥ शुक्रास्तुमातुर्हसमाचयने ॥ नलजावसिष
मृषिन्न ॥ मासापुवास्तुहसमाफया नाकागु ॥ पनवाल नलजीम
द नमाद्यपा मजा क नलयागु ॥ नवमिगुह कवीगुन ववयानावा
नन ॥ पन नवमिगुहस्य ॥ पन्यरुल कनशागना ॥ हगुहगवानः
प नवमिगुहया ॥ पन्यरुल कित नश्लादयकाविषाह ॥ हगुह ॥
प नवमिगुहवितियागुनना ॥ हगवान नश्लादयफल ॥ गुगुपका
ल नसा ॥ वसिषस्यहगवान नश्लापीन ॥ पन्यरुलनसंख्या नासंख्यान ॥

प्रवलनदकास॥ महानधनावांगु॥ महाउत्सनेन॥ वजाहउर्कमइयावागु
ध॥ जृषुमिपुर्क॥ ५५५५का॥ श्रीरगवानंशहादयकाविष्ठाग॥
वसंरणा नाममस्य समस्त संरणागं॥ हवसिषु जृषी॥ ५५५५धम्मया
संरणा याय डि नमरु॥ ममगुजं माजि संरणा या नावियरु॥ ५५५५संसायः
वागु॥ सफसागल नवात्रका॥ नवरवंच पृथीमं लुल॥ वरुस्य संरणा न
माकृत्॥ हवसिषु॥ ५५५५संसाय सफसागल धयागु॥ ऊगु समुद या रू
ग॥ ५५५५५५का संरणा याय रू उ॥ हानं वरवंच पृथी नोगु॥ वरुः

ॐ नमो
३५

सिमाया संख्याया यद् ॥ ५ मासिमा धका ॥ ५ पृगुं रवी धका ॥ ५ पृथीस
धका ॥ हानं वरु विंशती ॥ वरु अं उं ग ॥ ५ कृतिपि पीशुन धका ५ मय
५ ॥ हानं ५ कृति लं य व विरु ल धका ५ मय ५ ॥ ५ पी विमं लु ले न श्रु न
जाग न ॥ हानं ५ पृथी विमं लु ले ॥ ५ उ पति पृली ॥ ५ म धका ५ मय ॥ ३५
५ ॥ वस २ पृति ५ विरु या चानि ५ का संख्याया यद् ॥ ५ श्री उ न संख्या
नां ॥ ५ मित्रु र्मु स्य न संख्या न ॥ ५ वल हानं ॥ ५ संस्था प्र प्रा लिग न पी
५ ॥ संख्याया यद् ॥ ५ ५ मित्रु र्मु या पृथु ल नायी गु ॥ ५ उं संख्या

यायगुतामर्धमइ॥ अ संख्या न प्रत्यरुल॥ एगवान्वाव॥ अकया
प्रत्यरुल॥ अ संख्या ह प्रत्यरुलइ॥ हवसि सुम षी अका॥ श्री अक
मनी एगवान्वाव॥ अह्लादय कावान॥ कवतल विस्य षन॥ कार्ति
कूया मास २ त्रिस्य॥ तुलू यात्रा विष्णु विष्णु नंथ॥ अक मिठरु वन
यायगु ॥ अकया प्रत्यरुल॥ डिं संख्या यात्रा संख्या या यरुगुम
॥ प्रनवाल॥ अ नन दान डारु ॥ अक मिठरु वन॥ दान प्र
त्यरुल प्राप्ति॥ प्रनवाल॥ अमरुका॥ दान उदान यात्रा प्रत्यरुलः

जिनं संखाया यमदुः॥ दानधर्मज्ञापहृपन्यरुलइ ॥ धर्मश्रुथकाममाकचरु
 वडरुल ॥ अथुर्क्यापुलावं ॥ धर्मश्रुथकाममाकुरुलसलाना ॥ श्रुकायाह
 न्यालश्याचान ॥ हानदानपात्रमिगापुर्कश्या ॥ श्रुकायन ॥ श्रुका
 लस ॥ वाधिहाननाना ॥ सखावमिउमकाशयदुः॥ महापलिगश्या ॥ ३६
 महाशग्यमानाश्या ॥ दाताधनीश्या ॥ सदासर्वकाल ॥ लक्ष्मिचिलइ
 यावानदुः॥ हवसिषुजुषी ॥ १० श्रुमिपुर्क्यापुलावं ॥ सदासर्व
 काल ॥ श्रुजितवदधर्मसंघ ॥ श्रीश्रमाद्यपाशश्रीश्रुजितयागुलावयाय ॥

पाप कथादभाकभाजन ॥ कृष्ण जागु नाना प्रागनासनी ॥ पुनर्वा लहानं च
 नृक मित्र कुर्यापुहाव ॥ संपूर्ण पाप कथयइया ॥ दिद्याय अशयनइयाडा
 पगु भजीले नाना प्राग ॥ कृष्ण जाग अदिंरूना ॥ सत्रीलनिर्मलिइयाडा
 ॐ ॥ हवसिक् ॥ जैन काजन जमनास्य ॥ सवकन चर्मयाद्यानासुत्वा ॥
 जैन काज ॥ गी जमनास्य न पागकुर्या ॥ सवकइया ॥ चर्मयाद्यानन
 नाशानदया ॥ उर्मकाडा न्यद ॥ ५ पीठागुमा हात चं नावागु ॥ ५ जव
 मित्र कुर्या ॥ दव ॥ देव ॥ मनुक ॥ सकल ॥ ५ पीठागुवर्क सदानवजया ४

मम
के
३१

धका ॥ ग्राहगवान्नाज्ञादयकाविद्यात ॥ ॥ अनेनगभगपुन
उरुधम्म ॥ विप वि कनकमनीस्य ॥ ककुब्बु कास्यपक ॥ मिखातथा
याविभरवन ॥ सफमनीतभगग ॥ उधजं संभ्यकसीवृद्धतभगग ॥
नदाडगुवर्षत ॥ हानं श्री भक्कमनीरुगवान्नाज्ञादयकल ॥ गुगुप
कालधमा ॥ पूजापूर्वकाल ॥ सप्रशगशयावागु श्रवस्थसशमा ॥ वि
द्यानाचापी ॥ भगभगगुरुपिं ॥ श्रीविपविभभगुरुपिं ॥ कनकमनीतभ
गगुरु ॥ ककुब्बुदभगगपि ॥ काभ्यपभगभगुरुपिं ॥ मिषिभभगगुरु

३१

पिं ॥ अथ २ सफ मनी ग अग रु पि सी इ सा ॥ अह जवु मिठु रु या गु पु
रा व इ सा ॥ सम्यक सवु च अय का उ वि दाना ची न ॥ अह जवु मिठु रु या
पु रा व ॥ सक ले हठ मिषु ज पि ॥ क र्त ल ॥ जवु मिठु रु स्य म म अ क म
नी ॥ सम्यक सवु च सफ ल म व च ॥ ह व मिषु हा न म म जी न इ सा
अह जवु मिठु रु या पु रा व ॥ अ सा क म नी र ग वा न इ या ॥ हा नी स
म्य क सवु च न अ य क ध न ॥ क र्त ल हा न ॥ लि पा र इ या उ यी पी न
अ ग रु पि न ॥ अह जवु मिठु रु या पु रा व ॥ सम्य क सवु च अ यी की नी नी

३८

पुन॥ हानं सिवा २ विष्वा ०० पी ग ५ ग गु पि नं॥ ५५ हृ ऋ षु मि तु र्क्या पु रा व
 सं म्य क सं वृ ष ५ ०० कि मि नी ह व सि षु ऋ षी॥ ५५ जा गु उ र्क म इ या वा गु
 ऋ षु मि तु र्क ५॥ हृ व सि षु ऋ षी॥ क र्व ल म म उ ग ल्य ग षु म्नी॥ नि म्म
 ल म जी जा नी॥ व ड का य म जी ल ना॥ उ कू र व य द व आ षु न र ग र वि ष न
 उ र्क मा न या॥ व्या र वा य य॥ ॥ हृ व सि षु ऋ हान॥ डिं श सी॥ ५५ हृ
 र्क्या पु रा व न॥ म षु म्नी अ य का॥ नि म्म त गु म जी ल इ य का॥ हान
 व ड का य ५५ जा गु म ली न इ य का॥ उ कू गा ना म र व न स वा ना॥ स क ल

४३८

दवना कयाग ॥ ह्युह विष्ठाठ रूयाय ॥ धम्मउपदे ॥ विद्याना नां
हवसिष्ठ ॥ ज्ञेय ॥ कर्बल ॥ धपुपी विमलुलस ॥ ज्ञेयन दवग
न वासनी ॥ ज्ञेयरावन ॥ नानाव्याख्याय ॥ हनहवसिष्ठ ॥ धपुपी
मलुले ॥ ज्ञेयनपी ॥ दवगन पिवाभ या नावी ॥ ज्ञेय धपुव नापिंस
कलस्पन ॥ धपुगु ज्ञेयरावन ॥ नानाव्याख्यान या नावी नावान ॥ धपु
यापुन्यकल ॥ धपु ॥ धपु ज्ञेय मिठरूया ॥ पुताव ॥ नाना दवगा धपु
कावान ॥ हवसिष्ठ ॥ कर्बल हान ॥ धपु ज्ञेय मिठरूया पुताव ॥ धपु

वात्रा सकल दवगनयाग ॥ धर्म उपद ॥ विद्या ॥ वर्तुवर्तु सच वर्तुवर्तु रु
 लयात्रा वात्राजी ॥ उर्म उमां नयन ॥ उर्म एषिष्य वर्तुमानन ॥
 गदा न्याहान ॥ उर्म उर्म पिनि ॥ नृषु मित्रु रू स्य दान पुन्य स्य रुलं न
 रत ॥ कर्तुल ॥ रुव सिद्ध नृषा नृल ॥ उर्म २ पणि काडाना वल ॥ ३७
 नृषु मित्रु रू या ॥ पुन्य पुलाव ॥ उर्म २ काडाना भाग ॥ दान धर्म याना
 अयाग पुन्य या पुलाव ॥ नसिं नाम ॥ नृषु उरु सा डि ॥ एगवान स्य
 एगवान धय का उर्म कया ॥ दवजा क स्य ॥ रुग एषिष्य वर्तुमानन ॥

देवया न॥ हृत्तरु विष्णु उत मानया स्व॥ धर्म उपदे अविद्या॥ किं चान्धधन॥
हव सिद्ध॥ उक्ता स माया विष्णु महेश्वर॥ दिग नदव जायन उधन
जलं॥ पुनर्वाल आहानं॥ १०॥ हे अष्टमि उरुया पुणव॥ उक्ता धायका॥
विष्णु धायका॥ रस भज माहादेव धायका॥ नन हावन ५५ गु धर्म ५
पीडा गु धायका॥ वाना वान हव सिद्ध अषी॥ नन रावन नमन स्य॥
नव गनना॥ भुम नव स सी वन्दन॥ कर्बल हानं॥ १०॥ हे अष्टमि उरुया
पुणव॥ नमन हायका॥ नवल कन गागानं॥ किं किं विका म हास्य

ॐ नमः
क
४०

नं॥ सुमेधुवाहुजा चन्द्रमाधयकाविष्कानावा॥ धरुः ऋषुमिषुर्क्या
ष्यदुल॥ सूर्याने सुमेधु॥ गृहस्यति॥ मादमागसुमेधन॥ पुनवा
लज्जानन॥ ऋषुमिषुर्क्यापुलव॥ सकलगृहनीजीवकाडां॥ माद-
रुजलाना॥ सुमेधुवाहुजाहुल॥ गीसूर्यधयाज्ञ॥ माहसुखन॥ भा
नन्दपवखन॥ ॥ कर्बल॥ दिगुनदिगस्य॥ चतुर्माजस्य॥ का
रागमहासुख॥ पुनवालज्जानन॥ चतुर्दिशवानावापी॥ चतुर्माहा
जाकाधयापि॥ ॥ ॐ स्वाहागयात्रा॥ सुखानन्दनवानावान॥

४०

[illegible]

ॐ नमः
८१

धनुर्लालाल असा ॥ धननरीदित ६० ॥ जलैयाकाज २ जईधं
खदितु याय मय ॥ धर्म धयागु उद मया ना वा न्य माल ॥ हवसा
६ ॥ धर्मदा धन ॥ धधर्मयाग दोषतया इल असा ॥ माहापात
केन ॥ माहापातक जा ६० ॥ ननस्यरा जत्र ॥ पापिषु नमची माइ ॥ ८१
न ॥ केवल धर्मयाग ॥ दोषतयागु पाप ॥ ननकलग जना ॥ पापी
षु नमची माज उया ॥ धन कय इयी ॥ धध इल असा ॥ सहध
र्मन ॥ सहधर्म धयागु कय इया ॥ धर्म कय इस्पली ॥ जलधन

[illegible]

पधधका गुरगवान ॥ अह्लादयका विष्का ॥ वसिष्ठ न्यना नल
 हान ॥ कृताउली नडा वसिष्ठस्य ॥ पुनवा ल गलजा ॥ हान वसिष्ठ
 अषीन ॥ विमियाग ॥ गुगुपुका ल धसा ॥ हरगवन ॥ हगु ॥ कर्वल
 हान मता काज न विमियाना गुमष ॥ कलपाज याके ॥ अनेनेयाजा
 स्पवर्क चपुन कृताउली ॥ ह सर्वज्ञ ॥ हान मम पिजाउ जाजा पिस्य
 न ॥ धवर्क दनाचा गुइला ॥ हगु ॥ पधधका वसिष्ठ अषीन ॥
 पगुपुका ल ॥ विमियाना चीन ॥ ॥ वसिष्ठस्य वाचा शुत्या ॥ ह

गयान भस्त्रापिर्गं ॥ अलव सिषु ज पि यातु वचन नाना ॥ अरु गयान
शस्त्राद यकल ॥ गुगुप काल ॥ वसा षु सत्वा ॥ संसा प्रित वनस्यः
उपाय ठन ॥ हव सिषु ॥ ५ संसाले ॥ अगु रव नद ॥ ५ स्व गु रव न ॥
नापि ना ५ या गु रव न क गु द या चीन ॥ ५ रव न ग पीठा क विद्या ना
वाम ५ सा ॥ उपाय ठ नाम देव पुत्रु क रुसा ॥ ५ न ग ले विद्या ना चा
न ॥ उर्म २ उ म्मा न न ॥ अरु मी पु रु स मा चली त्या ॥ यन पु न्य रु ल
मि व य ॥ अल ५ उपाय ठ द य पु न ॥ उर्म २ प रि ॥ अरु मि व रु च ल या ना

ॐ
क
४३

वीयाकाजल ॥ स्वर्गस्य उर्मकाजन ॥ अले ५५ केया अत्र लवन ॥ स्वर्गस्य
उर्मकाया ॥ धनीया अत्र अंगल ॥ ५५ या न्यास स्रपजी वालनया ॥ माहास
खलानन ॥ महास्रप नानन्द चानाचान ॥ हव सिद्ध अष्टी ॥ अष्टया
काजल ॥ ५५ पीजातु अष्टमिपुर्क ॥ वले यानाचो ५ कारुगवान ॥ अष्ट
हृदयकाविष्काग ॥ ॥ अष्टकाजन स्रवरागस्य ॥ माकपुद्र अष्ट
सीषवसीषस्य ॥ हव सिद्ध अष्टी ॥ अष्टयाकाजन ॥ अष्टकालस
५५ ॥ स्रवरागयाना ॥ माकपुद्रायतु कामना ॥ अष्टियाकाना

४३

अथाय ॥ हेयसिद्धः कंनं पंथाया नावा ॥ उक्तं सिद्धिं ॥ नमस्य ॥ अथ
कसी ॥ आनामहानगजपाथयन ॥ उक्तं वल्माहाविहानेन ॥ धर्म
व्याख्याना ॥ जालिस्मयन ॥ आनागज ॥ सकृदिहस्य ॥ नमः ॥
गर्मापकाजलाप ॥ उक्तं सिद्धिं ॥ कद्रुयादिने ॥ कद्रुया जवसल ॥ जिह
सा ॥ अथकसिजाधया ॥ महानगल ॥ धदसया पाजथस ॥ उक्त
वल्माहाविहानेनावा नागवर्ष ॥ धर्मव्याख्यानयानावा ॥
कवल्हान ॥ जिहसा ॥ जालियास्मयस ॥ आनागजस ॥ अनयाना

ॐ नमो
क
४४

वानाडी ॥ हानं समस्त रिदुस्य ध्वनागमल ॥ हानं सकल रिदुपिंन
ध्वनयानावान ॥ समस्त जृषीस्य ॥ महा ज्ञानन ध्वनस्य ॥ कर्बल
हानं ॥ सकल जृषी ज्वलपिंन ॥ महा ज्ञानन ध्वनयानावान ४
पथी शुभ समय नायास ॥ उपाषण स्यदवपुन ॥ पंक् पत्रा पली
वात्र सहोतस्य ॥ दिप्यन ज्ञानावया ॥ गदाडुगुवर्षग ॥ इसा
उपाषादवपुन ॥ न्याम रूपत्री बालपी सलीचका ॥ जृपवाहा
न ॥ न्यास्या प्यायाका ॥ जालिया समय सतिन प्जाया डालपन ४

४४

उगुपु काल उल ॥ सकल पजी वा म्का ॥ सकल इ न् न् न् न् म्ना
दीनी २ मग वा का उया ॥ डिग पुजा या उल ॥ हव सिषु जषी ॥
५ थी ऊ गु जगी या स्म य स ॥ उ पा ष ठ द व पु गु न् ॥ ५ ली पु जा धं का
कृ गा ऊ ली ५ य ग हा हा क ल पा उं ॥ पु द क न कृ गा ऊ ली ॥ पु द क न
या न् ॥ वि गि या ना वा न ॥ हव सिषु जषी ॥ ग्या द ५ न द व पु ठ न म म
व च न स त्या ॥ ५ गु पु काल या गु म् या ॥ डिं इ सा द व पु गु पि ग ग्या द
वि या ॥ कृ ल उ गु व र्च न ॥ डिं च र्चु ५ ५ या गु ॥ ५ न या ना वा न जी १४

ॐ नमः
५५

पपीजागुभासे ॥ गदाउगुवर्ष ॥ छिक्कडपाषठदवपुत्रं विंक्रियानाचा
न ॥ गुगुपुका लं विंक्रियागभासा ॥ हपुलमभवल ॥ ममन ॥ छिमिगधम
अभमासासा कुरुजलरुम् ॥ हपुलरुगुत्र ॥ छिमीग ॥ धम्मअर्थकाम
सा क ॥ रुजजाका विष्कारु ॥ स्वअस्यसंपुमि ॥ माहासंपुमिदयका ॥ ५५
अरुवने वाअजाका ॥ विष्कायमालहगुत्र ॥ पधधका ॥ उपाषठदव
पुत्रं विंक्रियागुवचनन्यना ॥ गदाउगुवर्ष ॥ हदवपुत्रं कुरुसा
अम्म २पमिर्क ॥ अरुमिउरु वजयानाचानभासा ॥ कंगु अरुगयान ॥

कंठु ज्ञानसालधर्मन॥ धर्माकर्ण॥ उपाषाठदवपुः॥ अयकावा न्यदरुः॥
सदां ज्ञुमिबु रुदनावागुली॥ उर्म २ मृगुरेय निवात्रन॥ मा के
रुजप्राप्ति॥ प्रमेवाल॥ उर्म २ पतिरुसखसपुमिनाना॥ उर्म २ पु
मि॥ सदाकाल॥ मृगुरेयमाका॥ माकपदनाना॥ आकन नवईवा
सनाना॥ ज्ञमिगलागनायदुं॥ ध ज्ञुमिबुरुया॥ ज्ञनरावन
लिपा २ वदाहुनईगुरुलनायदुं॥ हुउपाषाठदवपुः॥ ममआ
दलन॥ डिनीकृ॥ सगुमव॥ अदेमवत्रदानविंधन॥ हुदवपुः ४

अन
क
४६

धका शलादयका विष्काग ॥ शला सत्वा उपाषठदवपुगन ॥ नमिपुस
नाजाग ॥ धं२ चनलमउविंद् ॥ कुगाउली ॥ पुनवाल ॥ रगवान शला
दयकन्यना ॥ देवपुन ॥ नाहाहाकलपाडां विंनियोग ॥ गुगुपका
लधमा ॥ हसर्वह ॥ धं२ कलपाजयाकपान ॥ धधधका ॥ वधना
याना ॥ डिपीदवपुठधका उर्मइयाग सारुलेइले ॥ उर्मइउला
मृश्रुवाधीरयनामन ॥ कर्वलरुगु ॥ डिमिउर्मइस उजामृश्रु
वाधीरयनामयानाप्रसइयनाल ॥ धली विनियोगनयनामृल

४६

ताने प्राधनायात ॥ हपलमञ्जलः कलपात्रयादयान ॥ ऋषमिवुग
या ॥ ऋनरावने ॥ मा कुरुलपलमञ्ज ॥ डिपथीआगुमाकुरुल
त्रायदरू ॥ कलपात्रयाके ॥ सहस्यनकुमानम ॥ सहजुकुमायाकल
पात्रयाके ॥ हसर्वरू ॥ ऋस्मिदिनममरागुन ॥ दर्भनाथ ॥ उपाषठ
स्य ॥ कर्षलपुत्रगुदिन ॥ डिगुलाग ॥ कलपालदर्भनयायदरू ॥
डिउपाषठदेवपूयधयका ॥ उर्मकयागुसाकुरुलशल ॥ हरागवान ॥
धंयश्ममरागुन ॥ दयाकृपासहजुकुमाभव ॥ हपुत ॥ धंय २

ॐ नमो
ॐ नमो
ॐ नमो

कलपात्र ॥ सहस्रकृष्ण ॥ सर्कलद्वयनाकपिनी ॥ अर्धापमिश्रया
वाक् ॥ नवग्रहवर्जपात्र ॥ सिद्धसमाहित ॥ रंगवानस्य ॥ गस्माथ
कात्र ॥ उग्रवर्षनहर्न ॥ कलपात्र ॥ नवग्रहश्चदिप ॥ वर्जपा
मंविना ॥ थडां सिद्धयाना विद्यानावाक् ॥ थथीजा म्कलपात्र ॥ ४१ ॥
हरंगवान ॥ कलपालयात्र ॥ सहस्रकृष्णमस्काल ॥ ॥ पुत्रा
पूर्वकात्रनगवपुत्रायमम ॥ पुत्रवाल ॥ पुत्रापूर्वकालस ॥ कलपा
पालयापुत्रि मपुत्रा ॥ कर्कलहर्न पुत्रापूर्वकालस ॥ कलपात्रया

महीमाख जिनेकन दूक लपालयागु ॥ प्रतापूर्वकालनउर्मरगपावन
पुव्यभन ॥ उ ॥ ५ ॥ नामी ॥ दाषत्रक ॥ अग्निन ॥ देवदरुस्य ॥ ॥ पुन
वालरुपुह ॥ प्रतापूर्वकालनउर्मरुयाविष्ठाकगुवर्षन ॥ कलपालयाधम
पुगुइयाचीनाम ॥ जिमषत्रा ॥ पुगुवर्षनइसा ॥ गपानस्य ॥ कलपालग
पावनविष्ठागुवर्षन ॥ उ ॥ ५ ॥ दावीयाग ॥ दगुदाषनया ॥ अग्निसक
ज्ञान ॥ उ ॥ ५ ॥ दावीयाग ॥ ५ ॥ तुनायागु ॥ ५ ॥ दावदगस्य ॥ देवदरुया
कलकपगन ॥ अग्निकुहागु ॥ हदेवगु ॥ अमाद्यपाग ॥ साक ॥ ५ ॥ नननका ॥

४८
४८

ॐ लं जा उ गु व र्ष म ॥ उ म्म ध जा ला नी नं ॥ दे व त्वा ॥ ह दे व ॐ मा द्य पा न त्रा
क म्म ल ध का ॥ ॐ म्म मि तु र्क स्म ज ल य ना ॥ क र्त्त ल ॐ ले ध ह तु र्क या
पु न्य पु र्ग व ॥ उ म्म ध जा जा नी ॥ ॐ मि तु र्क गु णं म्म ॥ उ ध ज ल स्य ॥ ध ली
ना म उ क का गु मा र्ग ॥ उ ध ल र्श या ॥ लिं हा वि द्या ग ॥ ह तु ल म्म म्म ल ॥ ध धा ॥ ४८
जा गु ॐ व र्ष म्म स ॥ क ल पा ल या ॥ ध म्म पू ग डि म ष्म ॥ ॐ म्म मि तु र्क न उ
ध ज ल ध ज म्म ध जा ॥ ॐ मि तु र्क ना ॥ ग दा उ गु व र्ष ॥ उ म्म ध जा द वी उ
ध ज र्श या ॥ ॐ म्म मि तु र्क या गु हि तु र्क ना ॥ डि ॐ म्म ज स ना या ॥ उ म्म र्श

[illegible]

ॐ
क
४८॥

संसाधन ॥ साधुसंगमादुदात्तवंश २ भवच ॥ सहजुदाधन ॥ मादुपद
इवाजीन ॥ हृष्टहृष्ट ॥ संसालमादुच्छायाविद्यानाचा म्रंकलपाल ४
कर्मलकलहाना ॥ नरुस्यदाय ॥ नजकयाधदाह ॥ खापावधयानागल
धसा ॥ स्वर्ज्याखापावायकाविया ॥ मादुच्छायाविद्यानाचा म्रंकल
पालहृष्टहृष्टगवान ॥ कृपास्यधर्मश्रथकाममादु ॥ कर्मलकलपाल
यादयान ॥ धर्मश्रथकाममादुवर्जुवर्जकलगायधना ॥ ठिसिद्ध
कल ॥ माहाज्ञानन ॥ माहाज्ञानगायधना ॥ ठिदिववर्जुवर्ज्या ॥ स्वर्ज

४८

ग

मध्यापाणालस ॥ जि० न धनुर्क्यायधन ॥ सुरावइइयपालगमन ॥
तागलन ॥ कर्बल ॥ ५ सुरावइइय ॥ सात्रसमृद्धयापात्रधनियायधु
न ॥ कलपालयादयान् माकनधन ॥ सुरुसोक्तमागमन ॥ सर्क
लभनु ॥ ५ अंसिक्याना ॥ नानाधम्मनउपदगन ॥ ५ छिंसहाजान
समरु ॥ दयदेयस्यस्वामीपञ्चयग ॥ कर्बलहान ॥ नानाधम्मउप
द ॥ ५ उपदसवियाविज्ञानावाञ्छ ॥ ५ छिंसहाजयाना ॥ सर्कल ॥ देव
देव्या ॥ स्वामीरुयावाञ्छ ॥ कर्बलहान ॥ सर्कलस्यनपञ्चायाकावि

५०
५०

आकाशकलपात् ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
महाल ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
गुणकाल ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
गजा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
यात्रायात्रा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
गजा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
यात्रायात्रा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
गजा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३
यात्रायात्रा ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ काउपाषाठदेवपुत्र ॥ सहस्रकाठि २३

५०

विष्णुत्रयं ॥ त्रिं विमिषाय ॥ गच्छन्नासा ॥ रगवन्नस्य विदुः ॥ हृत्
गवान् ॥ विष्णुत्रयं ॥ गच्छन्नासा ॥ रगवन्नस्य विदुः ॥ हृत्
विष्णुत्रयं ॥ गच्छन्नासा ॥ रगवन्नस्य विदुः ॥ हृत्
पालया पुत्रा कर्मया गुरव त्रिं विमिषाय ॥ हृत् गवान् ॥
वृत्तं विष्णुत्रयं ॥ मनसमान हर्षं न मा गता ॥ कर्तुं हृत् पुर ॥ सिवा
त्राजा या पूजुः ॥ यका विष्णुना ॥ उर्मि रूपा विष्णुस्य ला ॥ नृत्तं सिवा
त्राजा रूपा ॥ मनस ॥ माहा हर्षमान या ना ॥ जाग कर्म प्रवचयिषीया ॥ अन
नम

वि. ३३
क
५१

कर्वल गदाउगु वर्यम ॥ ५ जाऊ कुमाल यात ॥ विविवि विष्णु नथं ॥ ओ मि
क ॥ पंढीत ॥ काजी ॥ राडाल ॥ सन सिपाही ॥ पुजा ग सकल चीना ॥ जाग
कर्म ॥ नाम कर्ह या ना ॥ विष्णु गज जाऊ कुमाल धका ॥ पुण्याग या ना विल ४
द म दल न उ या ना धं ॥ पुजा ग नन ॥ मन ख हर्ष मानन ॥ गदाउगु व
षिक ॥ द म दल चीना या पी ॥ पुजा ग य सकल सी या ॥ ५ ५ मन हर्ष मा
न या ना ॥ धं यूर मि जी राग ॥ वदा हु ग द म जाऊ कुमाल उ म्म इल ४
५ ५ मि धम्म चिर्क ॥ ना ना धम्म म वय ॥ जे ले जा पुजा ग पी पी धम्म या

५१

विर्गुश्या ॥ नागाकथं धर्मया नाहल ॥ पुनर्वालि ॥ हरगवान ॥ डावि
ज्वल जाऊकुमाल शर्मा ॥ कथं धं ॥ गुकुपक ससी उदयन ॥ कर्व
ल ॥ डाजाऊकुमाल ॥ गुकुपकया ॥ चन्द्रमावधय श्याडाधं ॥ विष्ण
नत्र जाऊकुमाल ॥ नविककया जाल ॥ गुनस्वहस साधुन विद्या
पूर्व भवच ॥ नदाउगु वरवग ॥ गुनप्राहि नयोग ॥ ध जाऊकुमा
ल जडां डाजाविल ॥ नदनाम श्ले ॥ जनेन ॥ जनेन ॥ पार्ककस डा
निकसा सुपालग श्याडाल ॥ गुनप्राहि नस्यस्य ॥ जनेन साधुसया डाल ॥

वि. न.
न.
५२॥

[illegible]

५७ पुकारै हल्लावन ॥ सलम ॥ रागा काजी नोपजाय ॥ स्मधज
ना ॥ कन्या स्वाजनी ॥ द ॥ दसाग नशकनी ॥ गदाउगु वरति ॥ सकलः
मडिलज दाल ॥ मंजु ॥ पुजाग सकल मना ॥ सकायाग ॥ गुगु पुकाल
॥ सा ॥ रुकाजी लालदा ॥ गुनूप श्रीहिमः पुजाग ॥ न्या ५ ५ मषुग ॥ द ॥
द ॥ न ॥ कन्या माता ॥ जकनै पुनरुक्त लय काहदि ५ को ॥ ५
गुगु पुकाल ॥ सिधियाजा न्या ५ ५ दय कावि ५ ५ ॥ गगु कन्या न्या गलनः
मंजु स्याग ॥ गदाउगु वरति ॥ मंजु नैग ५ ५ नयाग ५ ५ ॥ गगु न

विष्णु
५३

मात्राहया ॥ विष्णुललाजकुमालयाग ॥ दन्यादानशायय ॥ श्लेकन्या
दानयागविल ॥ विधिपूर्वकन ॥ ॥ गस्माध ॥ कात्राकलस ॥ देव
याजोगन ॥ मन्त्रिजानीधिवहालया नाविंधंका ॥ सत्रीलनगरस्य ॥ न
वस्य ॥ दसमास्यन ॥ पुनवाल ॥ श्लेका ॥ मन्दिजजानीया ॥ गरुदयाउल ॥ ५३
वरुधमास ॥ पशुममास ॥ नममास ॥ दधमासपञ्चस्यली ॥ सिविला
आयामन ॥ श्लेकन्याहमानयागवान ॥ ममगाधपीलन ॥ माहाशनद
मन ॥ गदाउग्रवरुन ॥ सिविनाआयाइसा ॥ शक्तिनीमृगगाउपीलइलः

५६॥ पशुमन लपाधान ॥ माहाजन नन्दनं विद्याना वानराजा ॥
तदाउग्रवर्षत ॥ मल्लिजानीयागर्हत्रं ॥ तस्मिंदिन ॥ कद्रुयादिन ॥ म
ल्लिजानीयागर्ह ॥ पशुकुम्भजमर्हल ॥ पशुकुपंजमर्ह ॥ सा
पह ॥ सिविजाजाया ॥ मन्त्रवचलयाना ॥ जननईइविमर्हल
पुजाजनन ॥ जलपुजानीकयात ॥ जननगुपुकार्ल ॥ नानावाद्य
अका ॥ जनपुपुकार्लउग्रसायाना ॥ पशुस्यपुग ॥ जालीकुमाल
नामन ॥ गुरुस्यवावा ॥ तदाउग्रवर्षत ॥ विष्णुतलनाजकुमालयाः

पुनः ॥ आ लिङ्गनाल ५ का नाम पुण्याक या ना विलः ॥ अति क पंति गन ॥
 ५४ पुकातं ॥ द म द ॥ पुण्याक या ना विलः ॥ ॥ पुनर्वात हान
 काजागलद स्यली ॥ आलिङ्गनाल याग ॥ नामकर्मन ॥ जागकर्मन ॥
 साहस्यपाजनी ॥ नृलजाजालीकूमा लयाग ॥ नामकर्म ॥ जागक
 र्म या ना ॥ ५ हान साह ॥ काष व्याकन ॥ ५ पादि स्य नावान ॥ ५४
 पुन हान ॥ काजागयन ॥ काजागल स ॥ म भिजानी या गरुन ॥ प
 ५४ कू कूजली पृणी उर्मरुल ॥ ५ य गन मा क जागकर्म या ना विल ॥

विष्णुगलस्य ॥ धर्मन जासु थील ॥ भुरी कन वीरु शनंदन जासु १
कर्वल झलजा ॥ हरगया न ॥ भवसुनी ॥ पगुपु काल ॥ विष्णुगलः
जाउकु मालया धर्मन ॥ जासु भुरि कश्या डाल ॥ सकल पुआ जा
कया धर्म विरु श्या डाल ॥ ॥ नु कसिंदिन ॥ विष्णुगलस्य ॥ दा
न पात्र मिता ॥ सीसाल न उधमन ॥ कर्वल झलजा ॥ विष्णुगल जाउकु
मालया मन धर्म विरु उप नि श्या चीन ॥ गुगु पु काली धमसा ॥ धस
सात्र जासु ॥ जाडा श्या ॥ शनंदन ॥ सिं संग राग गयाना ॥ सुखन कात्र

वि ४

५५

१ म न

ह ना बी नी ॥ तिं गु व प्र दान पा त मि ना प्र य या य द्य यी ॥ न स र न ॥ हं स र न
नं बी ना बी न ॥ क र्म रू या नं कू या य ॥ प र्व ड क र्म न ॥ प र्व ड क र्म या गु र व ल र्म
कां ॥ म न म न न ॥ ५ गु र न ह ना स च ॥ सि वि या जा या क विं दि या न ॥
म म स्य पि ना व च न स र ॥ ज ले जा ॥ ग ज कू मा ल या गु व च न्य ना ॥ सि
वि या जा नं ज ला द य क ल ॥ ह पू य ग ज कू मा ल ॥ कं कू र व हा ना ५ का
वि ष्णु ल ग ज कू मा ल या ५ गु पु का ली ५ या बी न ॥ ॥ ग दा उ गु
व र्गि ॥ ग व पू ण या म म स्य ॥ उ र्म स्य सा द ल ॥ ह मा हा रा जा क ल पा

५५

यापुत्रधनयका ॥ डिउमर्श याचीना ॥ कलपालयादयाने ॥ रु. पानेजी
महाश्वनेद या नाचीनेधन ॥ कलपालयाककुरु विद्रियायएना ॥
ममउपयन कर्ना कृपान ॥ संसात्रउधलननिमीगीन ॥ रु. गाऊली
नवदया कृपान ॥ हपुरह माहाजाडा ॥ डिगुउपल कृपा नयाविष्का
यमाल ॥ ५ संसात्रउधन याय ॥ निर्मिगिन ॥ डिंकलपालयाकवि
तियायएना ॥ कलपालेदया कृपा नयाविष्काई ॥ ५ गुपुकातजाडा
कमालवितियागुनना ॥ सिविजाडा ॥ ५ विषमजनाडा कमालयागः

वि ॥
५५

हे पत विष्णु गलः के कू आयस्य ना ॥ ५ जा कू दका संपूर्ण कू गुमष जा ॥ कर्व
लपुजा गन पिंन ॥ सकल कू गुहे मष जा ॥ हे पूत ॥ सि विजाजा ५ गुपुका
ल अझादय कल ॥ विष्णु गन याग ॥ ॥ कर्वल हान ॥ विष्णु गल वी
क्रियाग ॥ गुगु पुकाली असा ॥ म मस्य मव न कू गाजली ॥ संसाजन ॥ नि ॥ ५५
सुध ममन ॥ ममन किं न दृष्टि ॥ राग न संपु नि ॥ पूत ॥ पूती ॥ पुजा ना
अनि सुध ममन ममस्य ॥ कर्वल ॥ संसाय जा ॥ न सुध यागुग ५ जा
असा ॥ कर्वल ॥ ५ जा ॥ काय ॥ आय ॥ कजा ॥ पुजाग ॥ ५ सकल डिगजा

ॐ नमः ॥ हृदि गीता सि विना जा ॥ जिंजा निम्य धयागु ॥ कुरु मय ना हृष्ट
पिगा ॥ पूर्व बाल जा डि ग धा धा सा ॥ पूर्व ऊं प न्य पाप स्य ॥ गजा ना
पुत्र उर्म स्य ॥ ॐ ह उर्म स्य ॥ धर्म दान नरा धिग ॥ कर्तव्य ॥ पूर्व उर्म
या ॥ अन्य धर्म न ॥ गीता ॥ गज पुत्र धा यका उर्म कया वा ना ॥ ॐ ह धुगु
उर्म ॥ दान धर्म या यम की गुं का ॥ ध उर्म रु या सा नू ले इ गु म स ॥ पिगा
ॐ ह ली पा गु उर्म ॥ धुगु उर्म ग न सुख रा ग ग्रा स्र बल या य रु या ॥
म धुगु ह स्य ॥ ॐ ह धुगु उर्म ता का उ न व ल ॥ प ल लि पा गु उ र्म धर्म

۷۹

1491

दानयाना ॥ शत्सासंगाययगु ॥ याविष्ठाई ॥ ५५॥ डागु शसिषा
 दानरूपीगा ॥ ५५॥ यासाऊई डिमनवसीइल ॥ न्नननननन
 मवच ॥ ममगुजावसईनीमइ ॥ ५५॥ याकात्र ॥ ममस्यदान
 कात्रई ॥ ५५॥ याकात्रल ॥ डिमदानयाकाविष्ठाई ॥ रुपिगासिषी
 याजा ॥ ५५॥ याकात्र ॥ विष्मनननाऊईमात्र ॥ विन्दियागुवचन
 नेना ॥ सिविजाजायामने ॥ ५५॥ याकात्र ॥ विष्मनननाऊ
 यागुखाल ॥ ५५॥ याकात्र ॥ ५५॥ याकात्र ॥ ५५॥ याकात्र ॥ ५५॥

विभ

न

५८

न॥ जिग॥ ५५५ कामन अंशालवि रूया ना वा न॥ जलसिवा ना जी॥
विभगलयागलिसविल॥ पूरा सदान धर्मन॥ नवमन सदान धर्म
न॥ हे विभगलकुमाल॥ अक दान धर्मयाय धका॥ जिदमन॥ क
वल्कल गुगु मन कामना शल॥ दान धर्मयायगु॥ काका या हे विभग
न नाऊकुमाल॥ ५५५ कामि विनाजी॥ विभगल नाऊकुमालया
न॥ अहादयकल॥ ममपिगा वचन सला॥ नाना सर्व
दय॥ नल दानं॥ चतुस्र वि वृहि पूरु॥ ग्राम॥ वजा वाय॥ वेलक

५८

सिद्ध ॥ नरगिरि ॥ अस्यागन ॥ गदाउग्रवर्धन ॥ अपिगाववायागुवचन
कया ॥ विश्वगन राजकुमाल ॥ दानसा नदयका ॥ नानाशुवर्धन
ल ॥ वरुषषिबुहीनसंपूर्णयाना ॥ वजाचार्य ॥ केनकरिद्ध ॥ न
वर्यभ ॥ उक्तन ॥ नरगिरि ॥ अस्यागन ॥ पथीरजापिन ॥ दानदानव
यानाचागुस्मावालसकसिनसियाडाल ॥ धंय २ विश्वगन राजस्य
नामपुर्यान ॥ नृसंखलावननगलस्यभागकव ॥ दानभागकर
नस्माधउग्रपुकालदानयागुसंसिया ॥ अनगल ॥ नृननदभदशः

वि ३
न
५८

नरलजा ॥ नननगु ॥ दसदसचापी ॥ जाचकपा थंरुडंया ॥ गुलीदानक
यालिहाडंन ॥ गुलीदानकाडायावान ॥ गुलीदानकयावान ॥ गुलीज्य
सिवाल विद्यावान ॥ नननगुपुकार्ल ॥ पूगुपुकार्ल ॥ विष्णुगलनाजक
मालया ॥ दानसात्रास ॥ ननगुपुकार्ल ॥ उत्साह रुयावान ॥ पदश
नरु कनसरायमान रुयावान ॥ ॥ गदाउगु वर्यन ॥ विष्णु
लस दानन वागना ॥ नुन्यन पात्रननराषन ॥ नरलजा पूगुपुकार्ल
दानकाडायावाग ॥ नरलजा रुय रुयाडान ॥ कडू या दिनसंहडामड ॥

५८

ॐ
जाचकन ॥ नस्माथकाजय ॥ अक्याकाजलक्षसा ॥ देवयाकलकपग
न ॥ सन्यश्यासुहोमइ ॥ अहाअशभयभयवय ॥ नभागागा ॥ अहा
अभय ॥ तस्मिं पडककहदानकाआपीककहमइ ॥ अगथाया
यधकाहाजावान ॥ गाउकलसुहोमयन ॥ नत्वसुवल् ॥ बहुर्य
षिं वहीसुपन्स ॥ कर्कलडिववासिविजाआयाहदायक्षसा ॥ उड
सकहा ॥ दानयायाकिकीवक्षइयाआयावान ॥ अगथायानादानया
इकेडि ॥ दानकाआपिंक्षसासुहमइ ॥ कर्कलदानमयास्यक्षसाडिंपानन

विष्णु
न
६०

मया ना ॥ शङ्किंग धनिप्रचालमयास्य ॥ गधपात्रलयाय ॥ पृगुपुकात्
हाजावान ॥ विष्णुगलस्रजाउकृमाल ॥ दम्भकपेन ॥ आवकखजनेन
मार्क ॥ शङ्खधमपुन ॥ दम्भकलेडाना ॥ दानकायीपीमालडानाः
धकाधगुमनरापावीन ॥ सर्वलज्जलस्य ॥ वरुखषिष्टहोपजीपुष्प
कनसमाहिग ॥ कवल ॥ शङ्खसर्वजल ॥ धनदुर्य ॥ वरुखषिष्टहो
इसां ॥ धङ्किंगधङ्कीनाङ्कीना ॥ आवकपिंभासाधनदानसागासक
कहमडा ॥ देवयासजान ॥ रुक्मिसाजामनूना ॥ पिगास्य ॥ पत्रीपुल्लि

६०

नदाउगुवर्षन ॥ पितासि विजाजाया ॥ अष्टममपुत्र ॥ रुक्मिणासुखा
॥ महाविलस ॥ रुक्मिणसुखदहड ॥ ५॥ रुक्मिणसुखजिनेकाय ॥ कर्ष
ल ५या ॥ ५॥ उर्मादानयायगु ॥ नयाजिने ५कगया ॥ मालाउनेमा
ल ॥ अलेजाउर्मा ५॥ रुक्मिणसुखाक ॥ साजदामतया ॥ धर्मगयाजा
वकमालडा ५का ॥ ५गुदलवाले ॥ पुस्थनंगत्या ॥ ५गुदलवाले
प्याहाविष्कार ॥ सिविजाजायाक ५याकया ॥ विष्णु ५याजकमा
ल ॥ देवप्याहाविष्कार ॥ ॥ देवदेव ५या ॥ माइकनी ॥

पूर्णबाल कलजा ॥ परगुणकाल जाचक पिं माना शल ॥ गन २ असा ॥ देव २
 दल ॥ अम २ नगल २ रुधवा हान ॥ मथ २ पुगि ॥ कर्वल हान ॥ अन २
 स ॥ परगुणकाल वि ॥ कल नाज कुमाल ॥ जाचक पिं ॥ माया शल ॥ (६१)
 देव स जाचक सु ॥ महाध नान न विनापन ॥ गळ २ माग न आकल ॥
 न दाउ गुवर्षि ॥ देव या स जा गन ॥ जाचक धया पिं ॥ गन ह दवने मड
 प ॥ दवने मड या ॥ वि ॥ रुज न धं न्या कया ॥ विनाप याना ॥ वाचा ई ई
 माला शल ॥ धन यार ॥ थल ॥ न दाउ गुवर्षि ॥ रुकन गलन ॥

ग्राजास्य॥समावालस्थपिग॥दभपुजागन॥मंदिना॥ग्राजनस्यसमा
हिग॥नस्मार्थकालनार्थ॥उगुवर्यग॥कगुनगलवाकनगान्न॥धदान
धर्मयागु॥कामडालधका॥दभदलहिवाशगुसमावालसिल॥गदा
उगुवर्यग॥धगुदलवापी॥पुजारु॥ग्राजनमंदि॥काडी॥लालदालः
मंकासक्यागु॥ग्राजागुगुपुकार्लधसा॥हमंदि॥हग्राजन॥हपुजागनः
आरुसा॥डिजीमनावर्थ॥पल्लुशल॥कायवाधसा॥सिखिनाडस्यपु
न॥विषकननाडकुमालस्य॥दानधर्मनशागके॥दलदभशागना॥

विभ
न
५२

विभंगन राजा ॥ हस्तिन त्रया कमा का ॥ दान याय गुगया ॥ दान याय ध
का ॥ डया धान ॥ नल थ याय स्य ॥ मर्य स्र नाउ दल वालया ॥ ल क
न स्र ॥ हस्तिन त्रपिग हय थं क ल ॥ ज थ या का ज न ॥ ध ना जा या द
स जा डिं स जा न् या ना का य न् ॥ वाल वाल स ग भ न ॥ वाल वाल स ग भ
म या ना ॥ डि ग या ना का य गु ॥ ज्ञा पा थ ना जा या ॥ ल क न स्र ह स्ति न
त्र द या धां या का ज ल ॥ डि न् या य म रू ॥ ग्रा श्रा रू ॥ ह म नि ॥ पु जा
न ॥ ज थ या का न न ॥ स्र ना न डि न् या ना का य म रू ॥ ज व स्र म व न थ दान या
या ॥

५२

या ॥

काचकन आगक ॥ दानपुर्लुनगव ॥ आगकह ॥ आचकपिमदया ॥ दानयायम
दुनी ॥ ५ ॥ पी आगु अवातल कूज त्रशगुयाय ॥ हर्मि ५ ५ ५ का ना आ आ
आदयकावात्र ॥ गदा आ अत्र पंचवनानी ॥ दान आगक ॥ गदाउगुव
एव न्यासगु अत्रगु ॥ स अगाडा आ आदयकल ॥ गुगु पुकाल ५ सा ॥
गु अत्र पंच ॥ ममकार्य सिद्धय ॥ केनगालनेन ॥ दानस्य आवयो हसि
नल्लदान आगना ॥ अलेजाडा पंचगु अत्रयाग ॥ ना आ आ आदयक
ल ॥ हेगु अत्र भगवान्नमस्व ॥ कलपालपिंश आगु ॥ डिगु कार्य

वा
न
६३

कुरु सिद्धयानाब् ॥ कलपालपिस ॥ केन कार्यन ॥ विष्णुगल जाऊस्य ॥ अ
भिवालेन ॥ हस्ति जल दानस्य ॥ मम जाऊन जाऊन किं वधयन ॥ सिद्धि
स्य जाऊदा जाऊं त्यदिय ॥ पूर्ण बाल हे ग्राभून ॥ कृपा धामा ॥ कृपा विधान ॥ ६३ ॥
विष्णु ज जाऊ कुमालयाम ॥ अभिवाले विया ॥ केवल अं विष्णु ज जाऊ
कुमाल गया ॥ हस्ति जल क क दान कया रु य रुसा ॥ डिडी जाऊ
ल किं वधय रुया ॥ ० ॥ नल हान ॥ सिद्धि जा जा या जाऊ ॥ ० ॥
उगु रुया ॥ हग्राभून ॥ धली डिगु घागु क पालपिसी यानाब् ॥

गजास्य ॥ पंचगमन न्यासिवालेन ॥ यत्राष्टम्यत्राष्टगना ॥ ॥
नदाउग्रवर्षा ॥ गजायागु न्यास्यन्या ॥ पंच न्यासगमननस्य ॥ गजा
याग न्यासिवालेन विया ॥ कलपालपिंशु कार्यं सा सिद्धयानाउय ॥ ५७
पुष्कालधया ॥ न्यासगमन ॥ धनगलदं ॥ विहाडाल ॥ कर्बल नल
जा ॥ दमदं ॥ नगलस्य दानपुन्य कन न्यागल ॥ ५८
पुष्काल ॥ दमदं ॥ नगलस्य न्यास ॥ विष्णुगल गजकुमाल विष्काना
चागुगन ॥ गुगुदिभाष ॥ ५९ पुष्कालगमनस्य न्यासल ॥ दानधम्म
यागुगन २ धका ॥ विचकन कर्त्तु विष्णुगन ॥ पंचगमनदं ॥ ८

विष्णु
न
६४

गदाउग्रवर्षि ॥ न्यासगुणनअंगुखना ॥ कर्त्तृलक्ष्मपाइस ॥ विष्णुगल-
गाजकुमाली ॥ यानीनिस्पी ॥ गुणनगुअंगुखना ॥ मनहुगासवाया ॥ ह
र्यमाननरावनी ॥ मनाजपपुर्णध ॥ भोगिनी जिगुमनाजप ॥ पूलई
यीनधका ॥ अश्वरुहर्षमानयाना ॥ ईईगुणनगयननसअन्यधका ॥ ६४
अवस्यमवन ॥ ममस्यदानअगतावया ॥ कर्त्तृलक्ष्मपाइस ॥ विष्णुगल-
कादानकाउपीगुणनईईगुणनधका ॥ हाताचीची ॥ गदाउग्रव
र्षि ॥ अंगुणनगन्यास ॥ विष्णुगलगाजकुमालया ॥ कृष्णमध्वकशाल ८

नामपुकारन ॥ अतिवाने लंसनमृष्य दृष्ट्वा ॥ विष्णुनयनत्रसजगत्
शायलरावन ॥ अक्षप्रसन्न ॥ पुनर्वाल्मीकिवर्ष ॥ नामपुकारनलं अ
मिवाल्मीकिये ह्मन्ने ध्वज ॥ विष्णुनयनाङ्कमालं त्रसगाया ॥ अद
लवचनगया ॥ अक्षदयकल ॥ ग्राह्यनयन ॥ ध्वज २ ममरा
ग्न ॥ दानन शगता ॥ सन्धन ॥ गवर्पवग्नन दृष्ट्वा ॥ ह्मन्ने
न ॥ ध्वज २ जिगृह्यग्न ॥ दानकाङ्कापिमदया ॥ डिं गुलीय्यदग्न मा
ग्न ॥ ध्वज २ जिगृह्यग्न ॥ अक्षिनाम ॥ अक्ष ५ डिं जिगृह्यग्न ॥ ध्वज २ जिगृह्यग्न ॥

वि ॥
न
६५॥

५३ ना प जा न ॥ कृपी दान का विष्का ना गु र प ला ॥ क न ० ० का श व या ॥ श
ह्रा पु स ना ॥ वि ॥ न ल स वा वा स त्या ॥ हे श म न ॥ कृपी सी कृ ० ० का या ना
विष्का ना गु ॥ श ह्रा द य का विष्का र्क ॥ ५५ ५ का वि ॥ गु न ग जा ॥ वि ति
या न ॥ ज ल गि म न स्य वि ति या न ॥ दा ता वि ॥ न न द न प ना र्थ ॥ द स
द न न न न म म श व या ॥ इ त्य क क न म म श ग ना ॥ सी सा न न ॥ दा ता
या ति कि न ल ग व ॥ म म प र व ग म न स्य ॥ श त्मा पूर्ण र्थ ॥
न र्मा र्थ का न ल र्थ ॥ ह वि ॥ न ग न ग जा ॥ ५५ सी सा ले ॥ मा हा दा रु या चा पा ।
गु

५५

शागिल लपालाजा ॥ कर्पलहान ॥ थथदागाइगु सिया ॥ ममस्य
डिपी माहाइयसिया ॥ कषुनया ॥ वनीवनवावाइजा ॥ दगदगाने
लवावाइला नानाडाया ॥ रुजाजा विषगल ॥ पुनवाल ॥ काकाकल
पाल ॥ डिमीगु शलापुल्लयाना विझाई ॥ कलपाल ॥ डिपीजाचक्र
पिंगु ॥ शलापुल्लयाना विझाई ॥ ममस्य वावाइला ॥ डिमीस्यविन
नियानागु ॥ कलपाल मविजामष ॥ हमहाजाजा ॥ ममस्य शलापु
ल्लस्य ॥ नवमनात्रथ ॥ गहकावन ॥ पुल्लएव ॥ हमहाजाज ॥ डिमीग

वि ३४
ग
६१५

आत्मा पूर्णया ना विच्छादं ॥ अलक्षणी नमना जय ॥ गुरु काल प्रथम ॥
अलक्षणी लपा जया ॥ याका कार्य सिद्ध शल ॥ मम स्य ॥ गव ह स्ति त्व दान
आगता ॥ पुनर्वाल कलपाली गया विष्णु ॥ हस्ति जल कृष्ण दान विया वि
च्छादं ॥ भवता नाना याम ॥ ५५५५ काशा म् गय ॥ आह्वाने ना ॥ आसि
वाल यगु म् ना ॥ कर्त्तु लक्ष्मी न विष्णु गय ॥ हस्ति जल दान ने ॥ राणा
मनस्य ॥ सर्व न हस्ति जल संपूर्ण दान ॥ गदा डगु वरुण ॥ अलक्षणी वि
ष्णु गय जाका माल ॥ गाम्ना यागु ववन न ना ॥ धर्म गया वागु हस्ति जल ॥

६५

नैक हाडिया ॥ गुरुनयाग गुरुदयकल ॥ हगुरुन ॥ यह सिखत ॥ सर्व
वृत्तवर्तमानकया विचारि ॥ पूर्णबाल ॥ विषगत्र गुरुके माले भगुन
ना ॥ असुन दानस्य ॥ वाक्पत्र हसि ननु दान कात्रस्य ॥ ॥ पूर्णबाल गुरु
लेख सुनस्य ॥ ज्ञानगुरुकाले वाक्पत्री ना दान काल ॥ गुरु सिवानन
नापुकात्रन ॥ बजायापु स्थानगमनाया ॥ जलजगुगुपनीस्य ॥ नाना
पुकाले गुरुसिबाले विद्या ॥ हसि ननु सही न जाना ॥ बजाकया ॥ गुरुन
नामलिहाडाल ॥ विषगत्रस्य मनचर्क ॥ जलपला दानयाय चर्का

विष्णु

१

५१

महाहर्षमानयाना ॥ पुनर्वात भगुदे लत्याहा विष्णुग ॥ विष्णुग ॥ ५५ ॥
उगु लि विष्णुगगगया ॥ पुजागसी ॥ विष्णुगलं हसि वल्ल दान विद्या ॥ गुः
सर्कल सन सिया ॥ ५५ ॥ मने ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥

५५

[illegible]

विभ
नल
६६

केवल ॥ कयला ॥ हमा हाजा ॥ थद जल गिनी पित ॥ गल ह
मा हाजा कल पाल ॥ विभव गल जाठ कुमाल ॥ निष्क स्यनी या ॥ म
मपुजा किं पु याउन ॥ डिमी पुजा गय सं म या क म ॥ न न्य धन ॥
डिमी स्यं न न्य स्या या य ॥ कयल डिपी सु धन ह दान या या ॥
नीला ॥ ह हमा हाजा ॥ पल जाजा स्य ह न न पु याउन ॥ हमा हा
जाजा ध ध पि जाजा ॥ हान डिपी न क ह ल ॥ विभव गल जाठ कुमाल
श्व स्य म वनी ॥ दान या ना क यी ॥ न ल कल पाल ॥ न या उ क वि दाना ॥

६६

नमो हमा हाजाजा ॥ कर्बल हमा हाजाजा ॥ यजा मड स्यली ॥ कलपालयाग
सुनामान्ययायी ॥ हमा हाजाजा ॥ पूर्व बालपुआ मड स्यली ॥ यजा मड नगनः
विलशयी ॥ रुधयाकाजल ॥ कलपालयाक विंति या ना हमा हाजाजा ॥
गस्मा र्धकाजल ॥ रुधयाकाजल ॥ कलपालयाग ॥ पुजा मानी धयागु रु
सा ॥ कलपालयाकाय ॥ विष्णु गलजाऊ कुमालद भनपि काया विष्काई ॥
धया मड नया सरु रुयी मष ॥ कर्बल विष्णु गजयाग ॥ जागु गुध मड नगनध
सा ॥ वल्क धयागु ॥ गपावनदया वागुड ॥ ऊह धान गय काया विष्काई ॥ ४

विम

तल

६९

धलीकलपालमयासा ॥ मममपनवया आवयाहपुत्र ॥ काका डिमीगव
लावियाविझाई ॥ गवजाअननआगगा ॥ धजाअचानान डिमीगरुल
इयीमव ॥ अवस्यमेवर्न ॥ मेपिनीजाजायादासीइयीगुखनध्वन ॥ डि
मिस्वीहमाहाजाजाधका ॥ धगुपुकार्लपुजागस्य ॥ माहारयकलीसवडया
ना ॥ पुजागसबलहाजाधान ॥ तस्माधधगुपुकार्ल ॥ पुजागहाजावागुखइसा
न्यता ॥ सिविजाजानकहूधयगुसामधमडया ॥ सुम्कचानाधान ॥
कर्वलदेवरास्य ॥ हाहादेव२धकाधगुपुकार्लसिविजाजाहाजाधान ॥

६९

हृदेय जिज्ञासा पूरुमदया ॥ धंदा कया चाना ॥ देव या य्याली ॥ पूरु क क द
गु ॥ ५ पूरु द्रु ५ का मन या न ॥ ज्ञान न्द या ना चाना नी ॥ न सिं ना मन नः
आ ५ उ ५ धी जा गु इ ४ य इ ल ॥ ५ पु जा न य न ५ ध का डिं व ५ या य ॥ हे
देव ॥ कर्वल वि ज्ञा न ल या न ग ५ ॥ व ना न ले ष्ण य ॥ पूर्न वाल हान ॥ पु
जा न य न ग ५ पि हा ई ५ का ५ य डिं ॥ कर्वल पु जा म ड स्य ली ॥ डि न
जा जा ५ का सु ना मा न या ० ॥ कर्वल हान ॥ ५ धी जा म पूरु वि ज्ञा न ल या
न पि का या ॥ डिं ग ५ चाना चान ॥ सं सा न ला क न धी का य न ॥ न सा ५ ५ ॥

ਬਿਅ
ਮਲ
੭੦

संसाधनं चापीत्याकर्तुं ॥ अग्नौ बिकालयायी ऋक्स्यर्चनं ॥ हृदेव धधधकाध
गुमर्तुगालपा ॥ माहा विजापन ॥ विजापयाना स्वयाधान ॥ सिविजाजा ॥
पुजा नी आह्लापु ॥ अलउगुवर्षन ॥ स्वास्वागुक सद्ययाना ॥ पुजागयग
आह्लादयकल ॥ मन्त्रिनापुजानी ॥ गुगुपुका लं चालजा ॥ असा ॥ हर्मन्त्रि ॥ ३० ॥
हंपुजाया कपी ॥ चतुधदिवन ॥ धनी धक्क किमीग लिस्विय ॥ हंपुजा
नधका सि विजाजा स्वयाधान ॥ अलकाउगुवर्ष ॥ सर्वलपुजाने सव्यत्रा
कया ॥ धधकली हाउंन ॥ ॥ जाजास्यजानीना संराखनन विजाप ॥

पूर्णबाल जल जा जा जा ॥ जाना अनि क्ष सिया ॥ मने का महा धन्या शया ॥
विजापया नावान ॥ कर्बल हान २ ॥ उमाना ॥ मन्त्रियात स जगा ॥ ज्ञा ह्मा दय
कल ॥ गुगु पुकाल धासा ॥ रुमन्त्रि कडा ना ॥ विज गल जा जा यात ॥ ५ पुडा
गर्भ ॥ गुग्गु र्भुज मा धया डम ॥ रुमन्त्रि ॥ ५ ली धय धं का धन वा ना रुका ॥
जा उव च न न सुत्वा ॥ ज्ञेनु प्यन जगता ॥ विज गल स्प प्रवीत ॥ जल जा म
निर्न शसा ॥ सि विजा जा या गुव च न न ना ॥ ज्ञेनु प्लं पि हठा या ॥ वि ज ग
ल या वा ना वा गु धन धं कडा या ॥ दान प्रय विज गल स्प ॥ मन्त्रि जी ना नी स्प ॥

विष्णु
गल
७१

धर्मकथा शस्त्रपीठं ॥ जलउडागुवर्यम् ॥ मन्त्रि विष्णुगजजायाधामः
धर्मकथागुवर्यम् ॥ दानधर्मयायधुम्भा ॥ मन्दि जानीयाम् ॥ नानाप्रकार
धर्मकथा ॥ शस्त्रदयका ॥ ज्ञानन्दविद्यानाधान ॥ गदाउगुवर्यम् ॥
धधयानाधानाधान ॥ मन्त्रियना ॥ विष्णुगलडां ॥ मन्दि जानीडा ॥ नि ॥ ७१
कथागुवर्यम् ॥ केवलशुभमना ॥ मन्त्रिया विज्ञापयाना ॥ मिथ्या
स्ववीर्या ॥ सि विज्ञाधयाहगुवर्यम् ॥ कुरुमधाम्य ॥ विष्णुगलजाडक
मालयावलनकमले ॥ शिप्या विज्ञापयानाधानमन्त्रि ४ ४

मंदि आगता नां वाया स्मर्य ॥ तदा उगु वर्यते ॥ जा उ कु मालं ॥ मंदि
उगु र्वसियका ॥ थगु आत्मा धुया ॥ आ डि नं न व स्प नं ॥ धद भं व्या हा
अ न्य माल ॥ काय जा धा सा ॥ ध ध ध का थगु म नं ध न सियका ॥ मंदि
या न वी ध विल ॥ गु गु गु काल धा सा ॥ ह मं दि कु काय वि जा प या ना वा
ना ॥ क हां गु या र्व उं मां किं सिल ॥ म म का र्य न ॥ मा गु ॥ पि गु ॥ पु जा ना
न इ ४ र्व न ॥ क र्व ल डि गु का व न ॥ मा म ॥ व वा या न ॥ न स्मा ध हान ॥ पु
जा न य का य इ ४ र्व वि या वी न्य ॥ क र्व ल ॥ मा गु पी ना द भ न न आ गता ॥

विष्णु
मल
७२

हमंकि ॥ ॐ मामवयाया रवाल ॥ ॐ आयन् ॥ कर्वलमंकिनापंअंन ॥ ५ गुदल
वालअंन ॥ मामवोवया रवाल ॥ ५ यावान ॥ नदाउ गुवर्ग ॥ ५ कायविं ॥ ५
लगाउ कुमालयागु रवाल ॥ ५ यावूं ॥ ५ यमदयावान ॥ हनउ गुवर्ग
मामवयानिस्सुसु ॥ ५ गमला २ गुला ॥ विजापयानावान ॥ ५ ५ विजापयागु ॥ ७
सया ॥ नदाउ गुवर्ग ॥ विं ५ गलगाउ कुमालइसा ॥ मसुईनहिजावान ॥
५ ५ ॥ मां ५ ५ निस्सुसु ॥ ५ ५ ५ विजावान ॥ गुगुपुवाल ५ लया
५ ५ ॥ हमागा ॥ हपिगा ॥ ५ यकलपालपिसुविजापयानावानाउगुकाजने ॥

कपिं॥ इः स्वयं यकाची ना कू याय ॥ कर्वल जिंजा पुजा गन याग ॥ अथ वा देव
हू के वका ॥ जिंदान धर्म या नागु मष ॥ कर्वल थ सीमाल ला क याग ॥ ल
का या य या काम नान ॥ जिंदान या ना चाना ॥ कर्वल म मपी माल गन डी या
गु ॥ जिंदान या ना चाना गुली ॥ माल गन डी या गु याग ॥ डी य मा दे ॥ द
म या पुजा पि डी या ॥ जिग माल डी या चान ॥ म म दान ॥ जिंदान धर्म
या य ग न या न इ या चान ॥ हू या य जिं म न स लाल पा थ ॥ दे व न जिग न
न या डी विल ॥ आ डी ॥ मं नि पी सक स्य न जिग ध गु थ इ ल ॥

वि०
म०
७३

व-रुधयागुगपावनसउं ना॥ गपस्या यादी न० ५ का थगुमनरुपा थंइ
ल॥ हं नाग्राह पिंमा॥ ममपूगु बालवस्य गवह रु नपावनी॥ हमाग्रा
ह पिमा॥ कायजाली कूमाल॥ पूगी कू फ्राउली॥ थनिर्झक लपा लया
हसुसइल॥ उंमइसाइ थंरापा॥ थबालय पिंनिर्झं॥ पमिपालया
नातया विष्कारु॥ कर्वल उंयाना थं॥ धर्मयाना॥ दानयाना॥ कर्वलहा
न॥ पुजागल गयुगु॥ धर्मउ पदल विद्या॥ माहाशनी नदन विष्कारु
वाना विष्कारु॥ पुनवाल हान॥ हमाग्राउक लपाले जाजाइया॥ पुजा

७३

नयन ॥ ३४ ॥ ४ याग ॥ गुण्य अरु ३४ ॥ वियमस्य ॥ कर्बल हान ॥ अरु
न अरु सागस्य न दान धर्मन किंदुन ॥ ह पिगा जाडा ॥ अमिगु ॥ अरु साग
पनी सु दान याय गु ॥ गाग वि अयमस्य ॥ ५ ५ ५ का ॥ विं ५ ५ ल जाडा
माली ॥ ५ गुगु काल ॥ विनि याना वागु ५ ५ या ॥ अल जा ॥ सि वि जा डा ॥
मागु जानी नि कस्य न ॥ पूरु वि ५ ५ ल या न ॥ हू हू ५ ५ य मरु या वा न ॥
मम या ५ ५ न वि ज न ॥ न सु जा न ल य जा मा ग न ॥ न दा उ गु व र न ॥ माम ॥
य वा या क ॥ य जा क या डा न ॥ ५ न वि ल र याना वा ना या ॥ पु या उ न म ड गु ॥

विम
मल
१४

बल नाड विंडी मागु पिना ॥ कर्वत अलेजा ॥ माम ॥ बव्या बल नक मले राप
या ॥ अजिं डी न्य ल ५ का वया कया ॥ थगु मन याग ॥ रुदमान या ना ॥ थगु
दल वाल पिहा विस्वाग ॥ पुनवाल हान मन्दि याग रड याय मानी ५ का ॥ विम
मल नाडा ॥ ५ अं सिं मन्दि जानी ॥ नन नीडा मा मागु ॥ दल वाल याग रड ड मा
मन्दि या ॥ अहाद य का ॥ हान विम मल नाडा कुमाल ॥ ५ अं सिं मन्दि जानी या
न ॥ ५ अ काय डाली कुमाल याग ॥ पूगी कु अडा नी याग ॥ ५ ली ५ अ सिं मन्दि ॥
विम मल नाडा कुमाल ॥ को मल गु पवन या ना ॥ रड य या ना विस्वाग ॥

१४

सिं० संसायन उ० ५० जलं कामना ॥ वनक न पावन ॥ न पस्यानी ॥ कर्बल अ
लजा ह सिं० ॥ मंदिरा नी ॥ अडि डी ॥ ५० संसाय बापी जा कयाग ॥ उ० ५० ज
न या य या कामना न ॥ वन ५० याग ॥ वन न पावन ॥ न पस्या वरु या डान्य
५० बागल पा वाना डिं ॥ कर्बल काय ५० सा ॥ दे ५० वाना बापी पु जागर ना
काम ॥ फाट ॥ काम ॥ फाट वध य या य माली ॥ कर्बल ५० ५० इय डीं जा
डिने ॥ दान धर्म या ना ॥ दान पाल मिना पत्र इयी मष अ व स म वन ॥
अ ५० या का जल ॥ डि दान पाल मिना ॥ धर्म पत्र य या य गु ॥ ॥

विष्णु

मल

७५

दानपालमीनापूजयाना ॥ लिहाडाय ॥ जलकन ॥ डिंगुजाजहंदास
वागु ॥ दानयानाची ॥ कर्वल ॥ पू ॥ पूजीयामपुनिपालयाना ॥ ज्ञान
यनंशानाची ॥ पुनवात ॥ ५५ पूजयाना वचन ॥ कर्वल ५५
मनविनापयाना ॥ सा मियागु वचन कमलरीपूया ॥ दया विनिहा
नाशन ॥ ॥ हसामीपुह डिंकूनमस्य ॥ डिपीआमस्ययाग
हंका विष्णुमस्य ॥ कलपालसन ॥ गधमसिया ॥ गुदमकलपाल
न ॥ गाग विष्णुयी ॥ उरह ५५ गालयागयानाकाय ॥ जल ५५ प्रानया

७५

गङ्गास्यली ॥ ५ वाजसमवागय ॥ गनपाभलराहृश्यापुह ॥ कलपीलजक
३ वागलगनविद्याय ॥ दानपालमिगान ॥ प्रयाय ५ गुल ॥ झापात्री ॥
किंहु ५ ॥ बालयहृ ५ नीझापात्रायकलपालयाहृ ॥ हपुहकलयाचि
हृवडेयमझला ॥ कर्वलकलपालयाम्त्र ॥ ५ मयागदनाधानीपी ॥ कर्व
लहान ॥ हस्यत्रास्यन ॥ ० य ५ रय्यांरु ररहत्या ॥ हानमलशसां ॥ ५
त्राकुला ॥ ह्रर्यनयात्यना ॥ श्रीगाश्याशीपीमयाग ॥ ग ५ प्रामकाभागावि
द्यायप्रनापुह ॥ कर्वलकलपालयाहृ ॥ ए किंहुमायामइजापुहसामी ४

विम
नल

१५॥

उकागयलविर्क ॥ ममस्यन आगव ॥ हुगुहगध न का कलउक विस्वाय
गु विर्गुयाना ॥ धधंशसा जिंआ चाना नानमष ॥ हुस्वामी विष्णुगज ॥ कल
पालगन विस्वायगुय ॥ वन जिमीन नंवा नार्यका विस्वाई ॥ काय ॥ काय
सकल वीनायना विस्वाई ॥ धधधका मन्दि ज्ञानी यागुव वयना ॥
विष्णुगज जाऊ कुमाल ॥ आगध याय ॥ गुगुगु कालं वूड याय ॥ धका मन्
नया ॥ आ ॥ धध म सग वन या खं ईने धका क ना विस्वात ॥ गुगुगु कालं
कन धसा ॥ हर्मन्दि ज्ञानी ॥ काय कन जिग ह धध या ना चाना ॥ हभी रुय

॥ १५

मय्यर्क ॥ विसि सग वानायना ॥ गपस्याया अ नान ॥ डिगला कर्न अ प वा द
याय म ष्ठा ॥ हान वना कल सकर्न मस्य ॥ मा हा इयया अ सवन धयागु ॥
गध्या असा ॥ हजानी ॥ वना गल सिं सा कल ऊ कनया त्वना वान्यगु ॥ हा
न सिमा खला यागु वरु प्न्य मा जा वान ॥ हान ना ना पु कालया ॥ ऊरु या
रयड् ॥ वापु रय अ न रगु रयड् ॥ कर्बल हान ॥ जा कस या रयड् ॥ ध
धी ऊगु रयड् गु वन ॥ कय अय एना जानी ॥ ध धी ऊगु ना ऊदल वा ल
वान्य गा ना ॥ सिं रगु वरु नया त्वना ॥ पागु पुगामल या डा सग प्ना ॥ नान

二

समार्गस ॥ वाजायागु ॥ मय नयना ॥ हानैरुलचायका ॥ नृत्तगीगुवाद्य ॥
 कर्वलहानै ॥ नानाउकाल ॥ वाजं ॥ नानाहयिगु ॥ मय हाजाहयिगु ॥ प्यार
 हयिगु ॥ ५५ ॥ २॥ जागु ॥ मय नयनगुगागु ॥ ५६ ॥ पीजागु ॥ इज्जवनग ॥ ५७ ॥
 यजानी ॥ कर्वलहानै ॥ ५८ ॥ बालखमयागु ॥ ५९ ॥ नानायने ॥ ६० ॥ मीगु ॥
 ली ॥ ६१ ॥ मलस्य ॥ नायगु ॥ मत्रीलमिनी ॥ ६२ ॥ मयागु ॥ स्यवनयागु ॥ ६३ ॥
 म ॥ ६४ ॥ सहयायी ॥ नानावलननमाजातल ॥ ६५ ॥ नलीकाल ॥ ६६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥
 हानै ॥ ५९ ॥ बालखमयगु ॥ ६० ॥ नानाउकालया ॥ ६१ ॥ नलमाजा नकाखायकागय ॥

हानं कनरुगिं स नित्यकामयागुड ॥ ३ ॥ धनयानका लीकामयागुड इह
जानी ॥ ५ ॥ गुणकालनयामयापी ॥ पूरुपूरीपीन ॥ कायगड ४४ सिद्धयन ॥
नवनश्रावथा ॥ ४ ॥ धनकात्रल ॥ कनडायमस्यधकाधयागुजानी ॥
गलीकुमाल ॥ कृष्णकुली ॥ धनिर्गुणिपालयाना ॥ धर्मदानयाना ॥ श्रा
नन्दवीनावाचगुण ॥ हमन्दिजानी ॥ ५ ॥ धकाधुगुणकाली ॥ विष्णु
लगाऊकुमाल ॥ मन्दिजानीयागश्रीहृदयका ॥ वृद्धययागधान ४४
श्रीलङ्कावर्ष ॥ मन्दिजानीदुर्गायाना ॥ पूरुययागुखालस्यया

विम
मल
७६

कृणाजतीधाय ॥ जाहनिपाहाद्वलपा विंगिया ॥ हस्वामीक लपालं ॥ ५५
जागुइ ४ यथा धसिगया ॥ नकानकलनमायानपुथाजन ॥ कलपालज
कयाकया विझोना ॥ पूग ॥ पूगीयागुमायागाग ॥ यादयाऊकसुखनवि
कायपन ॥ हपुदस्वामी ॥ कपीस्यधगुयदूकडिंसिल ॥ हपुदस्वामी
धकाधगुपमाल ॥ विंगियाजाथान ॥ मंदिजीजानी ॥ कलपालं ॥ वनाग
तयाग ॥ सुखगुधमंड ४ यथाकाडिम ॥ भ्राह्मदयकाविझाग ॥ गधजा
॥ धसा ॥ वनयासुख ॥ डिमविझालंकनाविझा ॥ पुदस्वामी ॥ ॥

७६

पुनर्वाल्हेस्वामी ॥ ५ गाऊ कुलया वेसी ॥ वना गलहं सुखइया वान ॥
कर्वल ॥ गाऊ दापे वाना ॥ ज्ञान नन्दन या नाया ॥ हान ना ना जस सा लइ गुय ॥
सुकेनया वी नाऊ ॥ ५ या वयसी ॥ वना गलह ॥ ज्ञान ग २ जा गु जा ग या ॥ रु
ल हूल ज्ञा हाल या ना वान गु जस इया वान डिग ॥ ह पु ल ॥ दल वालया
वेसी इ गं गुख मइ ला ॥ ना ना वा य ज स ना ॥ हान ५ दं ॥ ना ना प्र काल या
वा जा या स व ॥ ना ना प्र काल या पाट वन इ य क ह यी गु ॥ मिखा या न ऊ क ज
स इया वान ॥ ५ ५ या या क पु या ऊ न ॥ वन स क जा ५ सा ॥ ज्ञा का ५ ५ य

वि०
गल
७८

भदनेन वाद्यनवनवर्ष ७८ ॥ मयलस स्वर्गीनं पु कासन ॥ पूर्नवाल ह स्वामि ॥
आकाशमाहु ॥ मद्य यागु सव अंगु ॥ वाउं अनाहुगु धंश यावानी ॥ हानयन
स ॥ क्षरणागु ॥ अनेग २ उंगपंकी ॥ क किल मयल ॥ ५५ २ जापीगु ॥ अज
नना ॥ हान क्षरणागु पा संईयी ॥ ५५ २ जागु सयदयी गागु ॥ ५६ ॥
पा रवी जयगु ॥ वाजा अनाहयीगु ॥ मन्ग पाषंडा यगु ॥ ५५ जागु
कृष्ण स्वामी ॥ ५ यावयसी ॥ इंगळी अनेनदन अयगु ॥ ननेगु वन
ह अनेनद प्रह स्वामी ॥ नाना वाद्यन भदन निदा ॥ हान नाना प्रकाल

७८
७८

वाअया मदनसंवासरुदनवायकगुप्रमानं॥ कृत्राधसा॥ वनं नगं २ जागुं २
जागवापळीगनपीदहइ॥ हात्राकनीपी॥ रुदनवायकग॥ थहसदयनाः
रुदनवाहवां० मषप्रसस्वामी॥ सीजामजनपागुं वजागातीस भीषजनसुद
मेव॥ हप्रसहान॥ थदलवाल॥ नाय्यावागु जासा कागभइ॥ कवलहानवन
इसाथनयाइगीं॥ ननगुप्रकालयावीजावागु॥ तुयगुलाहगसदयगुइल॥
हानजागियासंयस॥ वंदमायाएउनयडंया॥ पत्रवावयसंदगंकीतुं० म
षजाहप्रसस्वामी॥ जाहकागदनगुह रुसल हप्रसस्वामी॥ उथहवाप्रस॥

विष्णु
मल
८०

नयप्रगाथा ॥ हनैरुपहृष्टिजीस ॥ पूजालीकूमाल ॥ पूगीकृष्णजली ॥ ५
निर्झर ॥ नानावर्णनमिलहीनप्रज्ञाननी ॥ कर्बलहस्वामी ॥ नानावर्णया
जलमाला ॥ गिहानैकयायकाययशु ॥ पुमानगधनाधसा ॥ वनागलेश
सो ॥ कृयायधसा ॥ नानापुष्पलया ॥ स्नानहीयावांशुदहइ ॥ ५ ॥ हस्वान
धयाधं ॥ नानापुष्पजनी ॥ जागजागया स्नानमात्राहना ॥ कारवायक ॥ ५ ॥ ५
यायवल ॥ जलमाजीकृष्णयकावेस्य ॥ इगवृष्टिवात्रावावानीमषजा ॥ हपुल
सामि ॥ वनागजसूयमव ॥ कर्बल ॥ वनागलहस्यशयावा ॥ दुर्लबालसूय
ल

८०

धयागुमइप्रहसामी ॥ नानाओसनपसर्गजन ॥ हाननानाप्रकालया ॥
उमसनयइ ॥ लनइ ॥ चदसासुरमइजीत ॥ पुकिरुपापनाभनमाचननः
पूर्णवाल ॥ हाननजनगुसादयावागुनयगुदसांमम् ॥ कर्बलवनइसापजा
कपजागयामागुनी ॥ पमयानागयागुपापदका ॥ माचनरुयी ॥ चपीजागुपान ॥
पनाउकरयागुलीह ॥ पापदूयीगु ॥ हउरुअयाकाजल ॥ डिंरुअन
हनावालडी ॥ नृगिजसइल ॥ हसामी चकाविंक्रियानाशागुअया ॥
अविभगलजाउकुमाजन ॥ माहाकारुकेन ॥ नृलमन्दिनीविंक्रियागुअया ॥

विष्णु
मल
८९

विष्णुमल जाऊ कुमाल या मनइ सु शास्य चाया वान ॥ गुगुण काल धसा
जवस्य भवनी ॥ धय न नागा डान्य जिहु मपुन ॥ धध धका धगु मन रापा
मदि जानी याग उगु जाविल ॥ गुगुण काल धसा ॥ हं मं लिजानी न्यळें गु
ज्ज न गुगुण काल ॥ धयान कवु डय मइ ॥ शधन विज मर या ना या पु थाऊ
न मपुन ॥ जधस्य सा मागी स जस पुणी ना ॥ ज्ज ज्ज मपुन ॥ जधन या ज
या ना ॥ ज्ज न २ गु स जस पुणि न या ॥ कवलि स लप्य झ सि न साय का ॥
डाने माल धका ॥ स लप्य झ न या ल या ना ॥ मं लिजानी जानी याग ज्ज हाद य कल ॥

गुगुगु काले खलना खासा ॥ हम लुजी जानी ॥ पूग पूगी निरुं न थ स मि का
काध का धागु वचन न्य ना ॥ मं लुजी जानी नं ॥ थडा पूगु जाली कुमाल ॥
पुठि कुफु उ ली निरुं न थ स न या उं ॥ थडां पुहसामी ॥ थन थ र्क
न थ स वा ना डा डान ॥ नस्मा थ का न ल ॥ नदा उ गु व र्क न ॥ मं लिजी जा
नी याग ॥ वि भंग न जा उ कुमाल ॥ आल्ल दय कल ॥ हमं लिजी जानी का
का ॥ पूग पूगी निरुं ऊ ॥ वन स थ हा डान थ ल थ का हा ना डान स क
ल ॥ नदा उ गु व र्क न ॥ प्रजान स कल हा ना वान ॥ न हा ज्य थ र्क ॥ थं थ २

विष्णु
मल
८३

विष्णुमयन ॥ जेहा जे व्यर्थ ॥ धंश रवि षगल गाडा ॥ जानीपी पपीडा
गुदेग ॥ नससुखगागु ॥ वनागले विष्णुगधका ॥ पुजारासकल ॥ पशुपका
लहात्रावान ॥ तस्मा पडगुवखमगुआगुप्रकालकल ॥ खगाप्रकाल
या ॥ समिकपमानइयावान ॥ विष्णुगलगाऊकुमालनपावनडांगुसना ॥ ८३
नमस् ॥ ॥ पुजाना हा हाकाजन ॥ विष्णुपत्रकगाडली ॥ नदाउगु
वर्षत ॥ सकलपुजाजाकया ॥ हाहाकालकल ॥ खयाकल ॥ कर्वलगुली
बनागलडांनाविमियाडांन ॥ हेपदगाऊकुमाल ॥ कलपालंकिमोग

भावा विष्णुना ॥ गन विष्णुना मा हा जाजा ॥ कल पा ल म द स्य ली ॥ डिमी
गु व लं ज का इ यी ॥ ५ ५ ५ का पु जा न स क ल ॥ अ न ग मा गु ल न ॥ हा या
ख या चा न ॥ न दा ड गु व र्व न ॥ वि भ र्त्त ज रा जी श सा ॥ ५ गु ज ५ स न
या ह गु ॥ आ च क प नी हा ना ख गु व ना ॥ क र्त्त ना वा या ॥ गु व र्त्त ज ल ॥
सा दी न या ह गु ॥ स र्त्त ल या न र मि २ दान या ना ॥ अ न पु का ल न व ड
य या ना ॥ ५ ५ वि या ॥ ५ ५ हा का विष्णु ना ॥ ॥ न दा ड गु व र्व न
वि भ र्त्त ज रा जी श सा ॥ गु ल ल मी का स क ल ॥ पु जा ना क र्व र्व र

विष
मल
८३

दं लुप्युद वनन ॥ देस मापे उघड वरुणी कख या हा जा इल ॥
पनया ख ५ ली ॥ गदा नाम उगु वरुण ॥ सि विजा जा या ॥ पूय विष्णु ल
गज कुमाल ॥ मंदिजा जानी ॥ पूय पूय ॥ जाली कुमाल कृष्ण कुली ॥ अपी
सि विजा जा मसीय क अं गुली ॥ सक संकापन ॥ हा हा पूय २ विष्णु
ल ५ दानां का का ॥ तस्मा थ का ज ॥ जल उघां गु वरुण ॥ ग विजा जी ॥ पूय
इव ले ५ ॥ दान धम्म या ना नान ॥ श्री विजा जी ॥ ॥ गदा नाम उगु व
रुण ॥ जल जा विष्णु ल गज कुमाल शरी ॥ महा हय मान या ना ॥ प ५

॥ ८३

मंदि जानी यागइ सां ॥ नाना पुकारेन ॥ धर्मक भक्त्या ॥ गुरुजा वनाक ले
 क सी धर्मक भक्त नाउं डं ॥ यथ हाका उं नं ॥ नाना गम भन ॥ नाना नग
 पन ॥ नाना दभस्य ॥ गदा उगु वर्यन ॥ मंदि जानी याग ॥ यं डं डं ॥ नाना
 माधन ॥ दभ २ यम २ नगल २ कना उं डं ॥ गुरुजा ॥ उगु वर्यन ॥
 उं द लवापी ॥ पुजा नयन ॥ धर्म उपद भक्त ना ॥ हाने धं डं सि याग ॥
 दभ या ॥ बाल चल कना उं ॥ महा हर्षस्य ॥ स र्क सिं या हर्ष मान या ना ॥
 यना गले इ हा विमान ॥ गदा उगु वर्यन ॥ चतुर्धन श्रम न श्रम ना या ॥

वि
न
ल
८४

नदाउग्रवर्णन॥ यामनिर्वा॥ ग्रासन्नगण्यन्नखनदयकडांल॥ मंदिस्वस
त्वा॥ पृथ्वसईरुप्यनचरुप॥ अलविष्णुगलयाक॥ मंदिजानीविनी
याग॥ हृपुहस्वामी॥ ईईडांपीप्यन्न॥ डिंवाष्वाभवाडांल॥ हस्वामी॥ ८४
ईईमन्नगप्यन्न॥ विष्णुगलनवाहा॥ अलजाविष्णुगजल॥ शहादय
कल॥ ॥ हामंदिस्वअवस्पन॥ ग्रासन्नयाशगगा॥ ममदलवा
नस्पनशगगा॥ हामंदिजानी॥ ईडांपीअवस्पभवन्न॥ ग्रासन्नगइया
डिजीस्पनअसा॥ ग्रासन्नगाडायधन्न॥ अल॥ ग्रासन्नगस्प॥ दल

वाल्मीकिः ॥ नदाउगुवर्षत ॥ डिपीमदयाश्रीनरुयी ॥ दानश्री
गकावया ॥ कर्षलदानकायधकाउानधं ॥ दलवाल्मीकिमदयापनडा
लधं ॥ विलम्भमाकुर् ॥ इमंदिनीजानी ॥ शपनरगिविलम्भयायः
पूर्णवालथगुपकाल ॥ विष्णुनलजाडा ॥ पगुपकाल ॥ मंदिनीजानी
यात ॥ ग्राह्यादयकल ॥ जलधपीशानाउंगुवधइमादिफल ॥
नदाउगुवर्षत ॥ जलजाग्राभनन ॥ विष्णुनलयाइडांनधंकाउाल ॥
ग्राभनन ॥ ग्राजानीसूत्या ॥ जलजाग्राभननयक ॥ मायातयादरुल्लायायाश्रीन

विभ
गत
७५॥

पूज्यगत ॥ अलविभगत ज्ञाज्ञादयकल ॥ गुगुगुमाल ज्ञाज्ञादयकल ॥
सा ॥ रुशम ॥ कलपालपिं ॥ गनविद्याना ॥ क्वय धन उंया ॥ पलीस्रइ
यक विद्याना ॥ गनविद्याना ॥ ५५५५का ॥ विष्वगत ज्ञाज्ञादयकल ॥ न्यना
वान ॥ पत्रीस्रयलशमस्य ॥ अतिवायल कृताजली ॥ नदाउगुवर्धन
जाजकुमाल यागु ॥ वजनन्यना ॥ शमननपत्रीस्रयका ॥ उरकालगया
कर्वलहान ॥ सलइसा ॥ एववागुना शकं याय वकाहाजाधान ॥ शम
लन्याम ॥ कर्वलहान ॥ शमननस्य ॥ जाजकुमाल यागु ॥ अतिवायल

८५

या शान ॥ पूर्णबाल जल विंती या न ॥ गुणु बाल विंती या न ॥ रुमा हा
जाऊ ॥ डिपी मग बाल न उ या गु म ॥ कल पाल द भन या य ध दा उ या पी
डी पी ॥ कल पाल ॥ द भ रु सा योग या ना वि का न ध दा ॥ अ गु समा
बाल न ना ॥ कर्वल डिपी ॥ रुमा २ सन उ या ॥ मम हा गु म पु हा य न ॥
गव द भ ना या धं य २ ग्रा म न क ता ॥ गदा उ गु व र्व न ॥ रु वि भ न ल जाऊ
रुमा ल ॥ कल पाल द भन या य ॥ डिमी गु हा ग न ॥ पु हा व द भन या य द
उ ॥ धं य २ डिमी गु हा ग ध ध दा ग्रा म न ह ॥ आ सि बाल न या ॥ हा ना वा गु

चक्राक्षरं ॥ दलननगकामी ॥ असामर्थन ॥ नर्वधिति जावया ज्ञातान
ममस्य पंचगक्षरं ॥ ॐ कापुर्लुगव ॥ ज्ञेयज्ञाताक्षरं नसंविक्तिया
न ॥ हविषगजनाउकुमाल ॥ डिमिगधनयामायामागुमेष ॥ डिपी
असा डिमीगुद लउअनगअसा ॥ नापानाधान ॥ कर्षल हानलीहाडा
न्यअसा ॥ डिमी कसामधर्मदधं कल ॥ कलपालअसा धनधं कवि
अयधं कल ॥ राजधविक्तियाय ज्ञातान ॥ कलपालअसा ॥ अक्ष
गुदानयानाविज्ञानाधान ॥ ज्ञधयाकात्र ॥ कलपालदमनयायधं न ॥

वि
मल
८१॥

ममत्रका ॥ कर्तल आडिमी गन काया ना वि काई ॥ दया कृपा नया वि का
ई ॥ कर्तल आडिमी ॥ हमा हाजाऊ कर्तना धाली ॥ ममत्र थस्य आत्र न
अगि यादना ॥ सग वल्लु तुलंग ॥ ममस्य दान आगना ॥ कृपा उली
हमा हाजाऊ ॥ कलपालया क मता वि किं याय धका अं यागु मषू ॥
आमकलपालयात थस ॥ सायकारुयापी ॥ अयन यपुइ पी ॥ स
लप्य सुतुय पिं ॥ डिमी गदान विल क्षसा ॥ ममदस थ आगना ॥
डिमी गुद ल अं नग विल क्षसा ॥ डिपीद ल लि हाडं यरुयी ॥

॥ ८१ ॥

पुनर्बाल ॥ अलं ५ ॥ ग्रामनगस्य ॥ ५ ॥ अगुखनना ॥ विष्णुलज्ज
कुमालं ॥ मंलिजानी ॥ पूठपूठीसकल्य ॥ नथं कंकया ॥ ग्रामनयाग
शङ्कादयकलं ॥ ॥ गुगुपुकाली ॥ ग्रामनस्यपत्री स्मन ॥
हं ग्रामन ॥ कपीपंचग्रामन न्याससिद्धि ॥ पत्नीसमयइयकाविष्काग
तुलंगदाननागक ॥ महाहर्षमानन ॥ चतुर्थदानमार्ग ॥ अलंउ
गुयष्टि ॥ ग्रामनगयन शङ्कादयकल ॥ हं ग्रामन ॥ ५ ॥ अगुखनना
सादानकया विष्काइ ॥ नदाउगुयष्टि ॥ ग्रामननूमाहाहर्षमानयाना

वि०
न०
८८

न० ॥ पञ्चसूत्रं सप्तसलदानकालः ॥ ॥ ब्रह्मनस्य च सिवा ।
अन० ॥ राजकुमारना ॥ ममन आत्मा पूर्ण ॥ गव कामना पूर्ण ॥ न
ल० ॥ ब्रह्मसूत्रं ॥ शिवालय विद्या शान विष्णु गल राजकुमारना ॥ ह
जार्ज ॥ डिमिगु आत्मानं पुन याय धं कल ॥ गमा प हान ॥ कपीनीन
कामना गमा ज पुन रुयमा ॥ पुरुपु काल शिवालय याती हाडा
न ॥ ॥ गदाउगु वरुन ॥ विष्णु गल राजकुमारना ॥ मलिजानी
याग आत्मा दय कल ॥ गुगु काल ॥ असा हजानी ॥ श श्र प म षग

॥ ८८

हिंजीनधसधसाविलधरुल॥ सलमदयकनधहाकमजील॥ हु
जानी॥ पूगुमपूगीरुसहससमागम॥ हुजानी॥ शनधमपूग॥
पूगुपूगीनिक॥ हिंसजानाडाचन॥ थगुपुकाहविष्णुलनजाउ
कुमाल॥ शरुदयकाशान॥ धम्मचिरुनपुरावर्न॥ शका
सनमगजाहीग॥ वनउगुनचरुधपलमधेल॥ गदाउगुवर्ष
॥ माहापागीइयाथाक॥ विष्णुलनजाठया॥ धम्मचिरुयापुरा
वर्न॥ शकाभमार्जन॥ गहिगमगधयापी॥ वनउगुपनडाया

वि-म
गल
८९॥

पल ग्वल समान झ याग ॥ तथ भवाः बाहुला पञ्चपर्ययाना ॥ क्वया
तथ क्वाकायन ॥ ॥ गदाउगु वरग ॥ मन्दिस्व नृर्जस्व ॥ ग्रा
भयानि ॥ पृथ्व कृ गाउली ॥ नृलमन्त्रिजानी ॥ विष्णुगल नाउ कृमा
लयाक विंशियाग ॥ रुस्वामी ॥ कलपाल भसा ॥ सल पञ्चदानया ॥ ८९
ल ॥ नृल भ तथ विल भ इया वागु तथ ॥ नृक समानुन ॥ नृक स
मानुन ॥ नृक र्ग पिं ॥ वनर्ज कृ पञ्च उं या ॥ डिगु तथ स क्वया
यन ॥ थ थ उा गु वनाउा ॥ डि नृर्जस्व नृ भय वा या वा नाउर ८
कन का न ॥ मन्त्रि मन्दिस्व कृ गाउली रुत्वा ॥ १ नाउस्व ग्राह्या ॥

ॐ लविभगलजाजानं ॥ ॐ ह्रीं हृदयकल ॥ हर्मदिजानी ॥ ॐ ध्याताका
जलमष ॥ ममनगवधर्मचिर्लुपुन ॥ दानपुदानपुलावस्य ॥ क
जलकृपागयामी ॥ हर्मदिजानी ॥ डिगुधर्मयापुलाव ॥ ॐ ध्याताका
न ॥ चिर्लुपुनयात्रा ॥ दानयानायापुलाव ॥ हानमधयागकृता
कृपागयागुली ॥ दानपुदानयानागुपुलाव ॥ ॐ ध्याताकाजान ॥ डिं
गकृल्लनया ॥ ॐ ध्याताकाजानपेस्रडाया ॥ कृतागया ॥ ॐ ध्याताका
ना ॥ कृतागया ॥ डिगजकायायनडांघी ॥ ॐ ध्याताकालनहानी ॥

विष्णु
गल॥
९०॥

सहानीक जल चर्म गय गुना यम मूया ॥ नाना कथा वा दै ॥ पुरुष कालं नानाः
पुकार्यं चर्म कथा कथा ॥ तथ निम्नैवा ना ज्ञानं च न विद्या ॥ १०० ॥
पुनर्वातः चिराय किं सा गेन ॥ एति तथ ह्याका उां सपत्नी ॥ वरुण धर्म रत्नीः
धर्म सपत्नी ॥ चरु उं सनन गगग ॥ गदा उ गवर्ष न ॥ धर्म उा सनन ग ॥ १०१ ॥
त्रै उांग स नद न ॥ उां उांग सनन ग ॥ विष्णु गज उा कू माल ॥ मन्दिल
जानी ॥ धर्म निम्नैवा ना उांग तथ या ह्य उां ॥ धर्म उा सनन ग स्य ह्य उां न्यः
वा ना ॥ ज्ञासि वाल विद्या विं गिया न ॥ ॥ गुरु पुकार्यं धर्म सा ॥ ह

हमा हाजाऊ विष्णुगज ॥ देवमन्त्र लविष्णुगज ॥ अगुषवर्तन्यना ॥ डिपीधन
उंयाहजाऊ ॥ कृपीसु डिमी ॥ असागया उयाग ॥ पुजयाना विष्णुगज ॥ ह
विष्णुगज ॥ पुनवालि ॥ असागया असाग ॥ विमियागुन्यना ॥ विष्णुग
लजाऊ कुमाल ॥ असागया असाग ॥ ॥ पुनवालि ॥ असागया असाग ॥
असा ॥ हगासनगल पाल पिस ॥ कृ असागया असाग ॥ डिपीधन
इसा डि विद्या असा ॥ अया विष्णुगज ॥ गदाउगुवषन् ॥ असागया असाग ॥
विमियागुन्यना ॥ असा ॥ हमा हाजाऊ विष्णुगज ॥ कृलपाजया ॥

विष्णु
मल
९१

वानविष्णुनायुत्रथळुगु ॥ डिमीगदानयानाविष्णुई ॥ पूगुपुका
लीगकनगसीधयावान ॥ धधधधगुवचननयना ॥ जलजानीःमवा
गसकलंजथंकाहाडया ॥ जथइसांविष्णुमलजाडो ॥ गकनय
गत्रथदानयाग ॥ गदाउगुवषं ॥ गकनगसी ॥ विष्णुगजयागु
शशिवालविल ॥ गुगुपुकार्जधसा ॥ हेविष्णुदेज ॥ कलपालया
धदानयानागुली ॥ सत्वगालीउधलइयमा ॥ कलपालपीनीः
मभात्रथपूयइयमा ॥ पूगुपुकार्जशशिविंगु ॥ विष्णुगजयना
वाल

॥ ९१ ॥

ॐ लखली नमन धुस्यली ॥ विष्णु जंजाली कुमाल त्रुकु छिग ॥ मीदिजानी
कृष्ण उज्जी त्रुकु छिना ॥ धृगु पुकाली ॥ निष्कस्य नमचाग त्रुकु छीना ॥
अनन्द पूर्वक ॥ पर्वत न पार्वत पाठ्य ज्ञया ॥ माहाहर्ष मानन स्रु
त्य विष्णु ॥ पुनवालक धंधं वन्द्य धयागु ॥ गपावन पलवन्द्य खन
दया अंल धका ॥ मीलि ज्ञानी याग ॥ ॐ नगु पुकाली वाध विद्या वि
ष्णु ॥ गगु पुकाली धसा ॥ हमीदि ज्ञानी ॥ डिडी गपावन चान
गु ॥ वन्द्य धयागु गपावन धनीन ॥ ईखनी खनदन्द ॥ ॐ ॐ ज्ञानी ॥

विज
गल
८२॥

५ काक नाओं ॥ हुतासवाय मय जानी ॥ ५ र्यया पुगुपु काली ॥ ननरक पु
काली ५ मर्मक ५ क ना विष्कात ॥ ॥ गदाउगु वषन् ॥ गान्ननन्द वा
नाओं गु ॥ आहित मृग ५ या पी ५ र्ज्ञस्य नी ॥ तथ गगन खन ह म द क ॥ गग
ओं नम गगनस्य ॥ गान्नन गगनस्य खन ह म द क डान ॥ नल गान्नन न शवा
पी मृग म द या ॥ गज ह ग गगन य वाया ॥ सु मं क ५ र्ज्ञ नृ क नृ क ड
न ५ गगन ॥ पुन वलि नल विष्कात न जा ड क माल ॥ ५ डों सि मं द
जी जानी ॥ पूगः पूगी पञ्च ॥ पञ्च क या समी पत्त ५ क विष्कात ॥

८२

कर्वलउं पुलवन्दु ॥ गधी जागु ५५ ॥ अथ न संदल इया वागु ५५ ८
हानं निमल इया वागु ॥ यनीदया वागु ॥ कर्वल हानं ॥ अथ न पुका लया
सिंमान वया ॥ हानं नाना पुका लया ॥ स्वान मान वया ॥ स्वान न हया वा
गुजी ॥ एमज लं प्रसकया ॥ थगु ५५ लख गुप न होजा ॥ अथ न मना हज
इयक ॥ गद न एमल हाजा इया वागु न वने ॥ हानं सिंमा स ॥ अथ न २गु
दलमूल नं सया वागु ॥ हानं अह सिंमा स ॥ का किल ॥ मयूज ॥ बाकाग
उंग ॥ अथ न ॥ वष ॥ वष ॥ अथ न २पी उंग पंकी ॥ ५५ २पी ॥ ५५ ५५
अथ न पिदया हाजा ह ५५ अन्य २वा ना हाजा इल ॥ विष्णु न मंदन नाना पी ॥

विष्णु
मल
९३

पूर्णबालहान ॥ उं वनना नापु कालया ॥ डि उं ऊं लु नंद याशान ४
शने शनेपी ॥ पूर्णबालहान ॥ शने २ पीमनी बलपीन वासयाना ५
वापीदयाशान ॥ धर्मयागुपराव ॥ विज्राहयायगु वि न सुयाहमद
धर्मयागु विरू ऊक रुया वापी मनी बजग ॥ हाने वन ऊं लु गन ॥ ९३
धी धीत्याना रुय धयागु सुं यामद ॥ ध धी जागु रुय क निमलिश
याशागु वने रुसा ॥ विष्णु मल ॥ मंद जीमानी ॥ पूग ॥ पूगी ॥ धप
मी वने शान न्य पूर्वक इ हा विष्णु म ॥ गदाउगु वषन ॥ विष्णु क म्मा

विष्णुनाडां ॥ पुनसाज रुसादयका विल ॥ विंभनल जाउकुमालपी
डांगुरना ॥ पुनयाल नरेन २ पिंदयग लपी नंअया लईसा खाना
नानापुजाल ॥ लकि कागल ॥ गदाउगुवरति ॥ विंभनज जाउकु
मालपी डांगुरना ॥ हानउंउं ॥ रवउं हायाचाण खान ॥ रुलमूल
सकगा ॥ धपलम्यल ॥ विंभनल जाउकुमात पि विष्णुवजे ॥
जाहातिरति धियक धका का कु नाडां याचान ॥ खानमा ॥ सिसा
रुल ॥ सकगाइसा ५गुपुजाले ककु नाडां याचान ॥ ॥ पुनवा
लहान ॥ यनवासया नाचापी वनउं नुन रुसा ॥ पलम्यल विंभ

विष्णु
नल
२४

नल जाऊ कुमाल पलम्य लवि स्नात ॥ डिंजी गुवन धका ॥ महाहर
मान या ना ॥ वन उतु गसक ले ॥ ऊडां खडां वा ना ॥ नमस्का लया ना
मया चान् ॥ ५ डिं गु वन धर्म याय धका वि स्नात ॥ नदाउ गु वर्यत
विष्णु कर्मानि दय का ग ॥ अथ न सन्द ज वा ना ना वा गु ॥ सिंह ल ॥ २४
या हि र्वा रा गु क श सा ख न द या डाल ॥ नस्मा न ॥ विष्णु नल जाऊ कुमा
ल ॥ ५ क सिं मी द ली जानी या न अह्ला दय कल ॥ गु गु प्र काल धासा ॥
हम लि जी जानी ॥ अश सा छ हगा स चाय म्बाल ॥ डिं वा स याय गु ॥

असंख्यं ॥ इका ॥ हजानी ॥ पु ॥ अत्राशसां ॥ अत्र ॥ ॥ कवलहानः
ज ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥
स्वामा ॥ सिंमा ॥ घास ॥ ० ॥ यादिया नामकना ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥
न ॥ हानहजानी ॥ हानहजानी ॥ हानहजानी ॥ हानहजानी ॥ हानहजानी ॥
कर्मयाना विद्या ॥ रव ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥
पितृ ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥
सा ॥ ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥ अत्राशसां ॥

वि-१०
गल
२५

रुद्रसावधयाका॥ दभयाप्रमान॥ सुखरागसफरी॥ पालमका॥ कथंथं
पुर्णसाजासधंकां नाइहाविकात॥ ॐ॥ गदाउगुवर्षन॥ विष्णु
गलजाउकुमाल॥ मंदिजीजानीयात॥ जालिकुमाल॥ कृष्णजनीयात
नंश्राद्धयकां॥ पुर्णसाजासइसानमकालयात॥ गदाउगुवर्षनः
विष्णुगजजाउकुमाल॥ जोगससविकात॥ मंदिजीजानीयात॥ श्राद्ध
दयकल॥ गुगुपुकार्लक्षसा॥ हमदजीजानी॥ श्राद्धाङ्गिगपस्यावर्षनः
याना॥ हानद्वानपालमिताप्रेयानां अंधकाधनहाया॥ श्राद्धाङ्गि
पुगुधस॥ पालपमवागयत॥ ॐ श्रवययाना॥ नानामाधनं किरकाः

निहिमन्दजीजानी ॥ कर्वलहान ॥ धवन ॥ नानाऊनु ॥ नानाजाकस ॥ ॐः
यादिदसां ॥ कहुहयकयाग्यमस्य ॥ धगुपकाल ॥ विषगलं ग्राह्यदय
कल ॥ धगुपकाल विषगलं धगुवचनयना ॥ मलिजीजानीइसाविनि
याग ॥ गगुपकालं धसां ॥ हपुए ॥ हेवामी ॥ धवालषगतिनं पुनिपा
लयानागय ॥ कर्वलकलपालया ॥ ॐ कपुपइयक ॥ जागधनया
नाविष्कार ॥ हपुए ॥ धगुपकाल ॥ मन्दजीजानीयितियागुवचनन
ना ॥ विषगलजाऊकमाल ॥ धगुमने ॥ गृह्यकहर्षमानया ना ॥ गी
गीसंम्यकसिद्धयाग ॥ नामकया ॥ कर्वलेधसंसाय ॥ सत्वपानी :

विम
नल
६६

न कायायगु काम नानं ॥ हानं दानपाल मिता नं ॥ पुत्रयायगु ॥ ॐ हानं थं ॥
सिसाल ॥ कृत्वा न याडा ॥ विमनल जाजानं ॥ आग धन यात्रा विष्का नं ॥
पुत्रवर्षनं ॥ नसा थः उगु वर्षनं ॥ शका म लवनं ॥ देवलो क विष्का नाडां
नाना पुकात्र लं ॥ वाजा रुसा धना ॥ हानं ज्ञान गगु गी ध सान रुसा ॥ आग मका
गगु रुसा यात्रा ॥ नमस्फाल यात्रा हया वान ॥ ॥ नदा थगु वर्षनं ॥ म
न्यजी जानी नी रुसा ॥ मिय २ रुसा ॥ वनाग ल उं ना ॥ नाना पुकात्र या ॥ हल
हल मात्रा हया ॥ ५६ पुगु पुगु वाल खम वाग यन ॥ पती पाल यात्रा ॥ ज्ञ
नग मा धन ॥ आग २ आग या सान मा लाह ना ॥ मवाग यन कृता यका ॥ ॥

६६

नानन्द पूर्वक न विद्यानाथान ॥ जलको अंवनानलस ॥ महामंडलः
इया ॥ यनडंरुपी ॥ हानं जलनगर उंगपकी ॥ काकिल ॥ मयज ॥ स
जाडंग ॥ नानाए काजया उंगनइसां ॥ पी पी धर्मयाग विरू ॥ जलवत
या ॥ सकल्य ॥ विष्णुलज्जाजकुमालया ॥ सिषयागुल्लगइया ॥ ५५गु
सलनहाजा ॥ इनधंरुअंयावान ॥ नदाउगुवषग ॥ विष्णुज्जाजकुमा
लया ॥ विद्यानाथगु ॥ ७६ साजासयाइला ॥ ओंपकिगनगसकल्यः
५५गुससद नं हाजा ॥ वावाइलाइल ॥ पंकिगसकले ॥ ७७ ॥
जलउगुवषन ॥ नसिंदिन ॥ कइयागुदिन ॥ मन्दजीजानीनइसाः

विष्णु
मल
७७

निष्कालं ॥ थं ॐ पू ॥ पूगी याग ॥ स्नानमालाकषायत ॥ न के ग ह
ल कूल ॥ स्नानशसां मा जाह य ध का ॥ थ पू ॥ पूगी पिं ॥ अगशसा
सल ॥ कि सी कि ग वि या ॥ थं ॐ काय काय याग ॥ मंदजी जानी व ड या
ना ॥ पुर्लसा जानं वि ह वि काग ॥ तदा उ गु व र्ब क ॥ य नाग ल स ड हा
वि का ना ॥ ना ना पु का ल या ॥ स्नान थ या ॥ कूल कूल द्वा ना ॥ य न स कि
उ ही ग श ल ॥ मंदली जानी ॥ थ न या र्व थ ली ति नी ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ ४
पुर्नवाल ॥ गल जा ॥ दे व या उ ॐ द न श सां ॥ वि ग न ज ज उ क माल
याग प सा या ना वा थ ॥ ॐ द सिं का ॥ दे व या क पिं ग ॥ ग्राहा द य क ल ४

गुणगुणकालं ॥ हृदयजाकपी ॥ त्रिंशत्सप्त विजाजायाकाय ॥ विष्णु
 लजाकुमालशसा ॥ वन्द्ययागुपलपगस ॥ गपस्यापुर्क्यानाविष्का
 नावान ॥ कर्बलहृदयजाक ॥ धयगुविर्क ॥ कर्बलपुणवक
 धयगुकालन ॥ त्रिंशत्सप्त विजाजायाकाय ॥ ५ ॥ धयकादयजाकु
 ॐ नन्दनशसा ॥ देवजाकपिंग ॥ शङ्कादयकाउं ॥ वन्द्ययागु ॥ वनान
 प्रडांना ॥ कर्बलधयगुपगग ॥ सापहिरधका ॥ धयकाशया
 दकं ककना ॥ गुंगावाकपुत्याक ॥ २ ॥ वया ॥ लानंरुकागगवसंज
 लंदिना ॥ गुणगुणपलकगगु ॥ गगपुषानया ॥ लानंरुकागगवसंज
 यका ॥

दिन ॥ वृक्षकालग मूनक मूनका जल धन अंत ॥ कर्वल भव नाप
कत्र ॥ मयाय पृक ॥ अगि इवर्ल ॥ अहल मत्रागु लिग दुरु रवी ॥ कूडः
खइया धन अंत वषप पुनवाल ॥ अगु मयाक ॥ विस्मा जपेवर्क ॥ खने
नेचका ॥ वि ॥ अग जनेन ख ॥ अमूनयाक ॥ गुगु पुकाल न्यन असा ॥
अपुन मधुत वचन या ना न्यन ॥ हठा मूनइ ॥ अम ॥ वृक्ष वस्था
॥ गन रवा वा हठा विष्का ना ॥ मका घालइ यगन विष्का ना ॥ ५५
जागु निलज नवन ॥ ना ना पुकाल या वत्र अं गु ॥ ग कस ॥ ०० ॥ पादिइ
गु ॥ अस्प ॥ कर्वल हान ॥ जं ऊर्क दाना धन ना अल ना ॥ विचाल हमयास्प ॥

विष्णु
तल
७७॥

मक मयल हे ॥ चरु रू शयक ॥ अस २ हिं ज्वलंत ड यका ॥ उरु कालः
गया ॥ काय धन विष्णु नाडा ॥ कृपा जने धन अंया ॥ अह्ना दय का वि
झाई ॥ पथ पका विष्णु तल वचन हा गु न्य ना ॥ ग्राक न वि मिया ग गु
गु पु काल असा ॥ हे मा हा जा विष्णु तल जा ड कु माल ॥ उं म गित या
ड या गु ॥ कल पाल सिया विष्णु माल ॥ हे ना थ ॥ कल पाल या ॥ उरु
कि कि ॥ धम्म ॥ दान या ॥ पुत्रा कर्म न ॥ धर्मा या फ मान इया चीन ॥
धका धा गु ॥ डि इ सा न्य ना ॥ कर्तल हान ॥ कल पाल या निष्क किं पुत्र
रव स हा या ना विष्णु न ना डी ॥ अथ या का जल ॥ अथ धन डी ध न डी
या ॥

तस्मात्तथापि ॥ किं न श्रुत्वा पृथुयाना विष्काहं ॥ किं न श्रुत्वा पृथुयाना
विष्काहं ॥ ५॥ सत्साधु सूनमद ॥ अथ या काजल ॥ पनइलवनागलनं
किं अया ॥ कलपालया नामकया ॥ हानं ॥ देण ॥ गुम ॥ नगलपतिः
कलपालया नाम ॥ विष्का ना वागुपवत युनाठिया ॥ हेजाडकुमाल ॥
कवलहानं ॥ कलपालया देण ॥ धंगुवर्त ॥ कलपालडां ॥ मन्त्रिजा
ना ॥ वाजस मवागनि ॥ जाना ॥ कवलधंगुवागगागा ॥ वन्कधया
गुपुलवर्त सविष्काग ॥ ५॥ काधंगुसमावाले सियका ॥ कलपालया
देणइहामडां स्प ॥ हुगा २ सन ॥ अलडिल ॥ कथं ॥ ००॥ दिसयक ।

विभ
गल
१००

साहि नयाया ॥ डिंगु डि वया माया ह ना ना ॥ धन आया ॥ हजाऊक
माल ॥ डिंगु पी क धा सा ॥ धन संपु मि धा सा संपु लू रु या धान्नी ॥
रु धन काय धा सा ॥ डि वु ना शल ॥ रु धा या का जल ॥ कल पा ल या के क
गा हा न्य ध का डी या ॥ धे आ सा पु ने या ना वि छा य मा ल क ल पा ल ॥ ग दा उ
गु व र्ष न ॥ वि भ ग ल ग अ ऊ क मा ल ॥ आ हा द य क ल ॥ गु गु पु काल धा सा ॥ ह
ग क न ॥ क र ग अ डी रु ध न क र ज ल बा य ध न ॥ कं गु आ त्मा डि पु ने या ना वि र ॥
कं ऊ क धा ॥ पु गु पु काल वि भ ग ल ग अ ऊ क मा ल ॥ आ हा द य क र य ना ॥ वा क
नं वि मि या न ॥ ह मा हा ग अ ॥ वि भ ग ल ग अ ऊ क मा ल ॥ मे ग का र ज ल म षु डि डी या गु ॥

१००

[illegible]

विम
नल
१०१॥

नीयात ॥ वडययाना ॥ अलकलपालयादानविद्याकाय ॥ हगासवा
यमप ॥ हेगुक्कन ॥ कायधसा ॥ ५ वालखमवाग ॥ मासं मषनी
बले ॥ मासयानुगलमकीनका ॥ विलहयायी ॥ मिसा ५ यापीनी ॥
मायाइसाभापाहइ ॥ उजागुववर्त ॥ ठिक्कधय ॥ हेगुक्कन ॥ अ
धयाकात्र ॥ ठिं ५ यागुगक्कन ॥ एवाविलंरुयानाविछाई ॥
विलंरुशेलधकाइ ॥ एवायमय ॥ गसाध ॥ ५ गुपुफाल ॥ अहोद
यकनना ॥ हावगक्कनविमियाग ॥ हेवि ५ गलजाडकुमाल ॥
कलपालयाइसा ॥ दकीहानपनीप ॥ हेइयाधीक्क ॥ ५ ससात्र ॥

१०१

कपीवज्रावल ॥ शाशिमपीसुनमद् ॥ विचकनइयाविष्ठा ॥ कलपाल ॥
कर्वलदानवियधयागुजी ॥ विलरुयायमभा ॥ हानकलपाज ॥ मृग
क्रमश्रागयापी ॥ पूगजालीकुमाल ॥ पूगीकुफाऊनी ॥ धपीदान
वियमसुगुइसा ॥ डिगवजाहान ॥ व्यजोवियोविष्ठाई ॥ हजाऊकु
माल ॥ कायजाधसा ॥ कलपालस्यन ॥ वियधकाधगुली ॥ मविल
धसाडिनिलज्यसाइल ॥ गलवियधगुजा ॥ मवीयमधधकाडीगु
मनेरापधन ॥ भाडाडिन ॥ कलपाजयादानयानावांगुजी ॥ डिधि
पुयायधइयी ॥ गलगधयाधसा ॥ कलपाजयासिमदजीजानी ॥

विष्णु
नल
१०२

लिहाउयावल ॥ ५ मचात अयस्यमवनं ॥ विठुमषडित ॥ श्ले ५
दानमविस्यली ॥ किंजापूलीमकीइ ४ यकक न याउयागु ॥ बलहइ
ल ॥ कासापल यमशस्यली ॥ कि न ५ कि वगनगयागय रुयी ॥ श्ले ५
कि वगनगयागय मास्यली ॥ कलपाल यागर्तुह ५ ॥ जाम मषुजा ॥ ह
विष्णुनलजोडकुमाल ॥ ५ ५ ५ कागु कर्न ॥ ५ गुपु काल ५ यावीन ४
दानयाय ५ का वा रागु ॥ मनहिंस्यली ॥ दानपाल मातापुत्र ५ ला ॥ ग ५ क
लपाल मसील ॥ वि यमशुगुइसा ॥ कि न वजाविया विष्वाइ ॥ किं लिहा
उान्य ॥ ५ गुपु कालगु कर्न ५ या दान ॥ नलमिसायागु सलाप कि न ॥

१०२

रुपाचान्यमषु ॥ रुपी जगल जाऊ कुमाल ॥ ५५५५ काग मंत्र वि क्रिया ना
वान ॥ ॥ अलउग्रवर्ष ॥ वि जगल जाऊ कुमाल ॥ अज्ञादय क
ल ॥ हेगुनन काय क हगास याया ॥ मंदजी जानी न इसा ॥ डिंदान
याय गुली विद्यु यायी मषु ॥ काय जा ५५सा ॥ डिंदान पाल मिता प
लय याय ५५ गुग क याग ॥ मंदजी जानी या मन ह व मान या ना चानी ॥
माहायागि ५५ मंदजी जानी ॥ अथ या का ज ५५ ॥ डिमी निरु वा ना ॥
कुल पाल या ॥ अत्मा संकु या ना काय ॥ हेगुनन ॥ दान इसा वि
या काय क म ॥ हेगुनन ॥ हगास याय मय ॥ ५५५५ का वि जगल न ५५ या चा
न ॥

विष्णु
मल
१०३

गदाउगु वषर्क ॥ गङ्ग नैश सामा हाक्रा रु यात्रा ॥ जाउ कुमाल यात्रा हुकल ॥
 गुगुगु काल अलया असा ॥ ह विष्णु गज जाउ ॥ क वचन उर काम लग
 वचन यात्रा ॥ क गुन गलेरु गुन या ॥ मिसा ना पत जा यात्रा ॥ दान यात्र
 अकाश कक ॥ क गन दान पात्र मितां गन पुत्र ॥ १० ॥ गङ्ग नै १५ १५ अगु
 नेना ॥ विष्णु गज शङ्खा दय फल ॥ ह गङ्ग नै कल पा लया मन डिं हुकाग
 गु १५ वान ॥ १५ रा पु लाल मइसा ॥ १५ पूगः पूगी सिकल्य यात्रा गय ॥ १५
 ली यात्रा गत्य ली ॥ कल पात्र यात्रा इ ल मष ॥ मरु जी जानी यात्रा ॥ मयाग
 यगु रवा लउर केना ॥ कल पाल रय का वि झाई ॥ १५ १५ अका विष्णु गल ॥

903

शङ्खादयकलं ॥ जलशुभ्रनः ॥ ह विष्णुजसूका शमधरुसा धंकाश
 कनयामनसंकाषयाना ॥ जलविष्णुलं ॥ वालखन्याना ॥ पूजका
 लीकूमाल ॥ पूगीकृष्णजली ॥ धनिर्गुडुडान्यगया ॥ मिथ्यानंखरी हायका
 पूजकालीकूमाल ॥ ऊडांजाना ॥ खडां कृष्णजनीजाना ॥ शङ्खादयकल ॥
 शृगुलं ॥ असा ॥ हगुभ्रनदानकयाविष्का इनीधकाधया ॥ शकाश ॥
 धया ॥ श्री ३ संमयकसंयुक्तयानामकया ॥ शुभ्रनयान शङ्खादयकावीन ॥
 हगुभ्रनकलंधी भूमिगुहर्नमइ ॥ गधजाधसा ॥ धशृगुभ्रनमपुनागया
 पी ॥ कायः काय ॥ मिः धली शालाशया वापीदानमयान ॥ दानपालमि।
 नाल

वि ०
तल
१०४

तापल इ ० मृष ॥ अति न दान पात्र मिता न ॥ प्लय या की न कल पाल ह ग्रा
न ॥ पृगु धर्म न ॥ सीसा ज वक्र व मिता आ इ य गुः काम नानं मषु की ॥ क वल
देव जा उ ० द ॥ अय क गु न मष ॥ हान स ड स वा अ याना ॥ शन न्ये न वा न्य ध
याना गु मष ॥ तल काय असा ॥ दान पाल मिता न पृ ज य याना ॥ सीसा ल स ॥
तल पानी दे काल कायाय गु काम नानं ॥ हान ॥ सीसा स दाना अत्री अय
का ॥ दान या नाडा धापी पानी पीत ॥ ह ता स वा य का डीः न नान दान पात्र मी
तान प्लय या क रु य मा ध का ॥ ध का मु ना या ना दान या ना गु ॥ ह ग्रा क न ध का
पृगु प काल शहाद य का डी ॥ ध गु वि कृ चिल याना ॥ जल अ ना इ स हा य माः

१०४

विष्णुलज्जाकुमाली॥ पञ्चायुगजालीकुमाल॥ पूगीकुङ्कुजलीयातसंकल्प
यात्रा॥ शास्त्रनयागनिर्झरजडां हानाविल ~~ॐ~~ नदाउगवर्ष॥ ५४ सं
साप्रत्यवन्वापीदवजाकपीनीसंकल्प॥ हाहाहालयात्रा॥ उमगमकाविल॥
५५ गुरुविहायकादवजाकपिंस्य॥ कवलिरानः शाकाग विष्णुलज्जाकुमा
लयागनमलालयात्रा५५ गुरुपानप्रिहाउनी॥ दवजाकपिंसंकल्प॥ ५६ ॥
नदाउगवर्षः५७ शास्त्रनमवागनिर्झराहागजाना॥ विष्णुलज्जाकुमा
लयाः ५८ ललगुगुपकाली५९ सा॥ हेराउगुषीः ६० मनकामनापलयइयमा॥
५१ गुगुपकाली श्रीमिवालदिया॥ विष्णुलज्जाकुमालयाक॥ विगियागुगुन॥

विष्णु
गल
१०५

हृविष्णुगलजाजा॥ कलपालकृपानिजिगुमनाकामनाः पूर्णकल॥ कलपाल
यामत्यनातयापी॥ पूरुः पूरु निम्रदानकायधुन॥ गलराडिगयत्राविया
विष्कारुडिअन्यपलधुनधुन॥ विष्णुगत्राडिकुमालराह्लादयकल॥
हृगामनधुपूरुपूरु निम्र॥ डिगुवीरुधुदयानादानयायधुन॥ कलपा
लकायहगासवायागामन॥ धमवागयमामडायीगुविष्मालेशः मपुन॥
धमन्दजीजानीअयडाः कलपालयागन॥ मवागयन॥ लाममालाकुर्या
यका॥ हनरुलरुलपालनयाकाकाय॥ मन्दजीजानीयागलालजकक
ना॥ रुलकलपालविष्कारु॥ धमवागनिम्रजाहजानाहृगामनः धधध

१०५

का विष्णु तल जाऊ कुमारी श्री सादय कु यना ॥ वा कर्न ऊ आहु विल ॥
ह विष्णु तल कलपाल या नगवृद्धि कान ३ ५ का वाना ऊ ॥ कलपाल या
पी जा कं हु मइ खनी ॥ ग ध जा ध सा ॥ मिसा जागी ५ या कजा ॥ महा चंचल
चि कं नो राव ॥ काय जा ध साः ५ लि हा ङं यं ङं आः नग प काल हा रा ख
या विजा प यायी ॥ अल कलपाल चि कं ५ उ या य रुयी मष नव स्य म वन ॥
कवल चि कं धिल मइ स्यली ॥ उ म र पु नी या ना उ यागु ॥ धर्म दान रुलः
ह रा उ नी मे षु रा ॥ विष्णु तल जाऊ कुमालः कलपाल ग ध म सी ल ॥ कन
मा गु नी ग ध धर्म दान गा ना का य गु ना ॥ विष्णु तल जाऊः ५ का ण कर्न ५ या वान ॥

विष्णु
न ल
१०५

वृन्तवालः हविष्मत्तलः शकुलपालसुतुः कानयानाशुक् ॥ डि नं ४४० का
नदानमायधून ॥ कलपालयानुगस्यानानमडील ॥ धवालरनि कंकल
पालयाक्तमपुन ॥ डि क्रमवातइय धुंकल हविष्मत्तल जाडा ॥ डि २५ म
ष्या धकागान्न ५५ धाशुययना ॥ विष्मत्तल जाडकुमाली कंकुडकुजा
वियुग समधमदयासुसुकवाच ॥ ॥ तदाउगुवपनेः रसध्वजी
गान्नइसाः वालरमवातयत ॥ गुगुप्रकालध्वजध्वसा ॥ हवालरमवा
तकिपीनिर्गइसा ॥ किमीयवाविष्मत्तलनीडितनं डि नदानवियधुंकल ॥
शडि डीडीडान्नः धकाधुगुप्रकालं गान्नमवागयधयावाच ॥

१०५

उग्रवर्षः॥ बालरूपमवागत्य॥ धवया विष्णुगजया रत्नालम्बया॥ मातृविज
पयानां रत्नया चान॥ न दाडुग्रवर्षः॥ ग्राहनी मवागता गृह्यया॥ ग्राहनी गृ
हं कालपिदया॥ मवागत्य गृहपतिं त्रिनासागुता ज्ञान॥ ॥ माता ॥
पितास्मजलं कृत्या॥ जल उज्जगृह्यर्षः॥ मवागत्य धर्मः॥ ववा यागुना मक
या॥ गृहसर्ग रत्नया हाजा विजापयाना चान॥ जल ध रत्नागु रत्ना॥ रत्न धनी
ग्राहनी रुसां॥ जल ननं मयका॥ जल हननं वने वागु गृहि रुसा कया॥
जाली कुमाल॥ कृष्ण उली निष्कृतिं विना विल॥ विष्णुगल जा उरुमाली
रूपं रहे॥ धमवागत्य धसा कामलसली च रुया वागु मलील॥ पूजा गृह धयात॥

विष्णु
मल
१०७

साक्षि यात्रा ॥ हानं गुणीनं दाया सागु सात्रा यत्र ॥ गुण कालं विष्णु गजं रविक सा
क्षि यात्रा यत्र ॥ मल चित्रा यत्र नि वायं फे वं कल बाल स ॥ थ डों क ह क
फु डली यात्र थल ॥ जाली कुमाल ॥ ह की फु डली का क याय ॥
डि जी कर्म न राग याय डी न्य माल ॥ ग्रा क न ह सु राग ॥ डी य या विष्णु
मत्र जा डी न ग्रा क न थ का ला पा ॥ डि पी दान विद्या हल ॥ थ न डा डिं ग
सा विद्या ना हल ॥ दान क या हल विस्माल पूर्व क न य न सात्रा ॥ साक्षि
रु न्र या नायं क माला ॥ र थ न क याय ह क ह क फु डली ॥ थ ग्रा क न
डि ग ह र विद्या म थ क ह ॥ र थ न क ह गा स वाय म न्नः थाय म न्न ॥

१०७

५१७७ कार्ल कह या मिं रानं खा वि डों गु म या ॥ कह या न ग व वि या ॥ रु
की धमनं ५३ या ना अनं ॥ ग दा उ गु व र्च न्द ॥ दा इ जा लि कु मा ल या गु
व च न न्य ना ॥ कृ पू डि नी न दा इ जा ली कु मा ल या ग वि ति या न ॥ ४
ह दा इ शा कु या य ह ना स वा य म न् ॥ ५० श्र न म ष् ॥ श्र व स्य भ व नं
५१ श्र क स ५२ ॥ वि ल य र य ॥ श्र व स्य भ व नं ॥ वि श्र क न ना जा र य न द
ग ल क् म या स्य य ना ॥ श्र ल र य न म द य ना ॥ डि नि श्र स्या ना न ० ला ह दा
इ ॥ श्र ५३ सा डि गु ५ डि व या श्र सा इ गु म ष् ग ह दा इ ॥ ५४ श्र क स श्र व स्य
भ व न स्य ॥ जा हा मि जा य च् क ल पी डि पी श्र सा इ गु म ष् ग ॥ व च श य ५ क ल ॥

याग ५५ ल ॥ हे दाइ जालीकू मालः याइ द भन यायगुः डि सं ॥ मांममं न
नी जानी ॥ सदाया ५५ स्नानमाला जानाउ ५५ ॥ हाने रुल रुल न जानाउ ५५ ॥
उगु व वनः डि पीमद या वानी ॥ अल माः मंद नी जानी न विनाप या ना
वानी हे दाइ ॥ अ ५५ नं मांम याग न ५५ उ या ना ना ५५ का ५५ याउ न्य ॥ पिना
वि ५५ न ल न र व न द या म वृत्त ॥ ५५ ५५ का ग क न याग वि की याय न ह
दाइ ५५ ५५ का ॥ नि ५५ सि नः ग क न याग वि ति याग ॥ ग क न वि प
जा ना सा गु साय कं ह ॥ लि ५५ याः न य स कः मा गाः पिना या ना म क या ॥
वि न ति याग ग क न याग ॥ हाने नि ५५ स्य न वि भग न याग ५५ ल ॥ हे पिनाः

वि-न
न-ल
१०८

वि-न न-ल ॥ क लपालिगान्न नधकादान विद्याहल जिपी ॥ ^{जा} धन कसहपी
गा ॥ अति पीन का इयी शु असा मगहपी गाः माग ॥ अथ नं क लपालरु
गास वायमय ॥ डिमी गु माया कया वि द्या यमय हपिगा ॥ हनं डिमी मा
श मं न्यत्री तानीन ॥ डिमी न सान सि सा हल हने आ ना उ ० वल ॥ डा सा
न मात्रा ॥ मा म न डिमी न का रा य के पो सान ॥ डिमी न अगसा विद्या
पी ॥ सल वा कि सि वा या ग का ट्या य कि ध या वि द्या ई हपी गा ॥ डिमी
गु र्वा ल न्व य गु पो सा धमी गु र्वा ल न्व या रा पा वा ध का ध या वि द्या ई
हपिगा ॥ डिमी गु र्वा उं मा मा म या ग क ना वि द्या ई ॥ मा म या ग ध उं या ना पी ॥

१०८

किमीगुमायाकायमालधकाधयाविष्काई॥रुपिताविष्गलजाजा॥
गलकलपाजयाचलनकमलस॥किमीस्यननमस्कातःसहसुकाति
नमस्कातधकाधयाडांवागु॥ठासूनंयनाडां॥गुषीनंविनागुगुषीप
जात्रासागुसाजादायायन॥विष्गलजाडांरवक२३न॥ॐ॥
धनयाधलीनिनी॥ॐ॥॥गस्माधकाजलउगुववर्क॥मंन्दजी
जानीइसां॥सदायाधवाजयपिंगःखानमाजाहना॥हानसिसाह
लखात्रा॥मशागजसलगयाकधका॥माहाहखमानयानाडागुवव
ककुशलधसामन्दजीजानीयात॥जावाजीकाधमागुनःनृगमकीनाडा
ले॥

विष्णु
गल
११०

हृदेव डिगकू इया नून रव ॥ कर्वल ऊडा; रवडां मगु वषन् ॥ उंगपंकी
गसंह रान मयु या डी नं ॥ हागु सयन नायमगु ॥ पुगु पुका लयन सु
न्यशगु वया ॥ नृगम की ना डी या; पगु मन रा पा डी नवस्य मयनं; क
हृ विद्युत ऊक इल जा ॥ कर्वल वात वम शाक ऊक; कू इल जा ॥ ५५५
का हाजा ॥ ५ मजी ना डी गु; खान माला; सि सा रु ल; द का रु सा हाक
मिना ॥ लवजी लव ॥ बा बा डी ल ॥ न दा उ गु वषन् ॥ नाना पुका ल या गुम
गल इ या डी गु लन ॥ ग ५ इ या डी ल ५ सा ॥ सप ग न डी या; म न
जी जानी या न न इ सा ला हा डी न ॥ कर्वल हान वन वा ना था पी वन
मा

११०

ऊंरुः वजः धुंः किसी ॥ सिंघ ॥ नून रपी डि उम ऊंरु त्रं अंया ॥ मन्दजीज
नीयागलपना विल ॥ धगुवषक जानी ज्ञाद्वादयकल ॥ हव न ऊंरु
न ॥ काय डिगजं पनागया ॥ डिं हगास रुया अया म्रयाग जपना ॥ विवी
डि उान ॥ ध ध ध का जानी यागु वचन ना त्र विजा विल ॥ वन ऊंरु गय
मिखान स्वयापि कया ॥ हा न सिमास वासया ना वा पीड गप कि गय
न खरा हाया अंग ॥ उम ग ना वागु ध अंया वा न ॥ ध पी जागु मन्दजीज
नीन खना अ ॥ मन ज्ञाकल वाकल रुल ॥ जल हा हा काल स्वया ॥ धगु
व न्क ध यागु रि रा वाक अ न्य ध का विष्काग ॥ ॥ पून वाल क ध ॥

विष्णु
मल
१११

पञ्चसाजायासमिपमध्वनकलउंल॥ उगुवर्षन्धधं पूगपूगीयाभद
कूनीमगायाउं॥ हाहाकालनखाया॥ हाहापूगआलीकूमोल॥ हाहापूग
कूपाउलीधका॥ हिंहीं किगुभददयउं॥ नीकनहकहनंवावाआया
अगशसाघयं २ पूनासनीपीमयागः अस्मिं नाम॥ धउयादिनगनउ
न॥ हाहापूगपूगीधका॥ मन्दजीजानीहागखयाइल॥ मवागयगु
भदहेगायमइहे००॥ अले धजागुपुकारहागः पल्लसाजा
भइहाडानेधकाउं गहः मडास्या॥ पिनउखध्वध्वयाः खया
हागइल॥ उखध्वध्वइल॥ उडागुवर्षन्धधं गंधियालीखया॥

१११

वः द्वापावयस्यः इगनकीय धयइयाल गवपुअयाचान ॥ महाराया
नई गवपुअयाचान ॥ कवैल जवस्यम वनं धयखकुवै नित्त अंगुव
षिन् ॥ लखंडाक चयकयनत्रा ॥ खखी स्वामी विगगजजा अया गपस्या
यानावा धासअनाअ ॥ इहाअनाअ ॥ विगगल नाअया वजनकमले
गकपुयाअ विगियाग ॥ हपुल स्वामी ॥ डिः सपुग पूगी कायकाय
धुपीनीकमइ ॥ गनअन कलपाल हासमइ गपुल ॥ डिजा धासाध
उर तिवायिस्सालइल ॥ नाडिजा पुरस्वामी नृगमकीनाचान ॥ कव
लस्वानमा लाः सिस्सालदका हाकूतिनाअया पुर ॥ हुगा रसनीडिः

विभ
गल
११२

अथा ॥ ३ स्वामी पुरुष कलपाल भसा ॥ जाग ध्वनस विष्मना यान ॥ मवा
ग धसा प ॥ सा जा सपीनः ॥ मिग उं पील र्वं जक वय क यन न ॥ ह पु त
स्वामी ॥ ५ गु पु काल मन्द जी जानी न विन गि याग न ॥ विष्म गल न क
ह म धस्य जाग ध्वन या ना यान ॥ ५ ध्व क म ध गु ख ना ॥ मन्द जी जानी ११२
नः ॥ हाय २ क कः ॥ बाल ख म चाग निष्कः ॥ विना स काल न स ह ग ॥ ५ गु
पु काल हा जा ख या ॥ ५ गु नृ ग ल जा हा ग दा या ॥ ५ जा २ गु ला ॥ ग उ
भ द न खा या हा जाः ॥ खा या खा य म रु याः ॥ म् ब्या श ल ॥ ग दा ५ गु व ष
क विष्म गल ना जानि ॥ म न्द जी जानी म् ब्या श गु ख ना ॥ ५ या ५ य म रु या ॥

होला कथं ॥ ओम् समनंदना ॥ लखइ साक या रुया ॥ लखन हा हा या ना ॥
धन ॥ ह म न्य जी जानी कह गा सवा य म न्य ॥ ध लख रु गिनी त्व ध ना ना
हा जाना धन ॥ ॐ ॥ ॥ ध गु व ष म् मे हा व धि ड् क वि भ ग ज ना डा
न ॥ ॥ ध क्क सि म न्य जी जानी या ग व ड् य या ग ॥ ॥ अ न न पु का ज न प र
उ म्म ना ना ध म्म क्क ध क ना मी ह ॥ ॥ गु गु पु का ल अ क्क द य क ल ध सा ॥
पु र्क उ म्म या गु र व ॥ ना ना पु का ल या ध म्म क्क ध क ना डा ॥ ॥ ध य वि रू
यो का प ड् य या ग जानी या ग ॥ ॥ अ ल ध ली जानी या वि रू धि ज इ य क
धुंका ॥ ॥ ध अं वा ल ष म वा ग नि र्म ॥ ॥ दान या ना गु र व इ सा क ना डा वि क्क ना ॥

वि०
गल
११३

दानपात्रमीगनीपूजययायुगुखंशसांविष्णुलपूजनः शङ्खदयकाउ॥
वृद्धयमानाउगल॥ ५ नयाखपूलीतिनी॥ ॐ ॥ पुनर्वालमल
शङ्खनंशसा॥ बालखमसातनिश्रंजात्रा॥ सिवीजाजायादेशधंऊअनी॥
मलगाऊदलवालठाना॥ सिविजाजायागः विष्णुगलजाजायागुवन
यार्षविष्णुलपूर्वकन॥ सिविजाजायागविमियाग॥ गधमाधसाह
माहाजाजा॥ कलपात्रयापूजविष्णुगजजाजाया॥ पूजवृणीनिष्कसिंग
कयइः खकषुसियकागयधका॥ उंनंशसादानकयारुया॥ हुमा
हनाजा॥ ५धधकाविमियाजा॥ सिविजाजायागशसा॥ आलिकुमाल॥

११३

[illegible]

विष्णु
मल
११४

मा चानमन्य जीवानी ॥ ॥ तदा अल जा उजागुः शन न्यन विष्णाना
चागु अवस्थस ॥ पुन वाल हानः देव जा उं बहसा ॥ हान गा कन यात्र
पहसा कया ॥ विष्णु तल जा या थास ॥ गा कन क क था क डाल ॥ अल
उजागु अव म अ ॥ विष्णु तल जा रा ना उं ॥ गा कन याग का ह्लादय कल ॥
गुगु प्रमाल थासा ॥ हु गा कन कल पाल गन वी कान्ता ॥ वजा अदल रा
वन वचन गया ॥ नाना प्रमालः सिसारु ल श सा या का ॥ अह्लादय क
ल ॥ हु गा कन कल पाज कन कान ल उ क गन विष्णाना ॥ थ पी जागु तिल
ऊन व भस काय विष्णाना ॥ थ थ थ का विष्णु तल जा अह्लादय कल ॥

११४

कलजाजायावचननयना॥ ग्रासूनविंति याग॥ हे माहाजाजाजाउम
षीः कलपालमहात्मागीधकाधगुडिंस्मयालहनाडाया॥ डिजा
धसा॥ कानकनशयाशोसग्रासूनउ॥ डिजाधसावडश्रवस्थकल॥
डिनयगडिनकुजाजयानानयमा॥ डिजाप्रयानानयगुसामध
इगुमषुगहजाउ॥ श्रधयाकाजलः कलपालयाधसा॥ कायः का
यनदानयायधकल॥ ग्रासूनयाग॥ डंधकुडिगर्न॥ कलपालया
श्रयनमयनागयास॥ मन्दजीजानीकसुडिगदानविलधसा॥
वरुनधमदानाकलः कलपाल॥ डिधमपूणीयानाडिगुसंप्रति

विज

गल

११५

यकालउा काना ॥ हवि नगज ॥ ५५५ काग म्रनं विद्रियागु रव यना ॥
विज गल जा जानं ॥ ५५५ सिंमं न्द जी जानी यागु खाल यया धान ॥
रलउा उागु रव सये मं न्द जी जानी नं ॥ ५५५ पुनं सखाल यगु रव ना ॥
पुनं सया धर्म या पुलाव रव ना सि यका ॥ पुनं सया दान पा ल मि गानं पु
नं या य ध का ना ना सा ॥ कव ल पुनः पुनं न दान या य ध फल ॥ जिगन
न पा ह क ना ग गुड ॥ आ ५५५ मषनः रव स म वन ॥ गानं न जिग द
उाल ॥ रव स म वन जिग दान वि ५५५ गुड ल ॥ का यग ध यग ध न्द का य
का गय वि लाज रुयक ॥ वि लाज या का ग या ॥ किं पुया ज नन ॥ क पुया
ज न इग मष ॥ ५५५ पु काल मं न्द जी जानी नं रा पा ॥ स्वामि विज गल या खाल

११५

श्रवया ॥ मूस २ हिजा ॥ आ हाग हा कलपा विनियान ॥ हपुरतः हसामी विष्णु गल
जा आ कलपालः शासन याग काय लिप्तम विद्या ॥ कलपाजैः गुप्त २ सिगः
गुप्त वस्तु कदा डाल ॥ उगु २ वस्तु दान या ना विष्णु वा कृष्ण पी ॥ कर्तल दान
वा प्रमिता न पुत्र य या य धका काम ना कलपा जया ॥ शा कलपाल या का
य सिद्ध या य गुली ॥ जिमने कुरुदा ह म ड पुर ॥ गलग थ पूजाली क
माल ॥ पूगी कृष्ण जनी ॥ थपी दान या ना विष्णु ना थं ॥ श्रु थं नु जिग न द
न या ना विष्णु ई पुर सामी ॥ कर्तल कलपा जया कार्य सिद्ध या ना विष्णु
ई हपुर सामी ॥ थ थ थ का मन्द जी गानी न वचन हागु ॥ विष्णु गल ना जनी ॥

वि. न.
ग. स.
११६

मन्दजीवानी या रत्ना लभ्या ॥ मि रत्नानं रत्ना विडायका ॥ सिं मन्दजीवानी यागः
श्राद्धादयकृत ॥ इमं मन्दजीवानीः धंश २८ ॥ दानयाय धगु चि रू पीलया
यमाल ॥ कर्बल दान ध यागु ग पी जागु धासा ॥ दान ध म या क विप ग या
गुल ॥ याका ध ग द यागु ॥ कर्बल धगु क या पि न धागु शि रि ति उ र्द ॥ सिं
काय जिल ॥ हानं सं साल गा गा मा क मा उ या ज उ न गु ल नार्य जा डायी ॥ ध ११६
म या पु रा व न ॥ पा प द का रू का का यी ॥ श्र ध या का ज ल जि न ॥ उ म्म २ प ग
क इः ख सि या ॥ दान ध म यो ना ॥ सं साल स हि जा रु या ॥ इमं मन्दजीवानी ॥
ध सं सा य ॥ ध म्म वि ना न ॥ साल गु व रू कू र्न म इ ॥ श्रा डि न ॥ ग्रा कू न या ग
दान वि या का य क ॥ ध ध म न न ल द ही गो जा उ न व य ॥ डि पी स क ल पू ज पू ज ॥